मां कात्यायनी
चैत्र नवरात्रि
छटवां दिन

सांध्य दैनिक
भारत मत

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित
ग्वालियर, गुरुवार 03 अप्रैल 2025 चैत्र कृष्णपक्ष-6, संवत 2082, वर्ष-30 अंक-24 कुल पृष्ठ-8
मूल्य₹ 2.00
Email- editorbharatmat@gmail.com

दिल्ली हाईकोर्ट जज के घर कैश मिलने के बाद फैसला लिया,

सुप्रीम कोर्ट के जज संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे:जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

ज्यूडीशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है। 1 अप्रैल को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है। जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डीटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि, इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी

थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे। 1997 का प्रस्ताव- 1997 में, तत्कालीन CJI जे एस वर्मा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जजों से अपेक्षा की गई कि वे अपनी संपत्ति की घोषणा चीफ जस्टिस को करें। हालांकि, यह घोषणा सार्वजनिक नहीं की जानी थी। 2009 में, न्यायाधीश संपत्ति और देनदारियों की घोषणा विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने कहा गया था। हालांकि, इसमें यह प्रावधान था कि घोषणाएं सार्वजनिक नहीं की जाएंगी। इस प्रावधान के कारण विधेयक को विरोध का सामना करना पड़ा और इसे स्थगित कर दिया गया। कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल जांच कमेटी कर रही है। जिसमें 3 जज हैं। इस कमेटी के सामने जस्टिस यशवंत वर्मा की पेशी जल्द हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से 15 करोड़ कैश मिलने का वीडियो जारी किया है। 65 सेकेंड के वीडियो में नोटों से भरी बोरियां दिखाई दे रही हैं। घटना 14 मार्च की है। बंगले में आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड पहुंची थी। वहीं दमकल कर्मचारियों को ये नोट मिले। रकम करीब 15 करोड़ थी।

अनुराग ठाकुर पर बरसे

...तो मैं इस्तीफा दे दूंगा, झुकूंगा नहीं, राज्यसभा में खरगे का पुष्पा अंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी

वक्फ बिल पर हो रही चर्चा के दौरान बुधवार(02 अप्रैल) को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने खरगे पर गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि खरगे ने कर्नाटक में वक्फ की जमीन हड़पी है। भाजपा सांसद के इस दावे पर कांग्रेस ने लोकसभा में जमकर हंगामा किया। इसी बीच राज्यसभा में बिल पर हो रही चर्चा के दौरान खरगे ने अनुराग ठाकुर के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने राज्यसभा में कहा, अगर बीजेपी मुझे डराना चाहती है, तो मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट सकता हूं, लेकिन झुकूंगा नहीं। उन्होंने आगे कहा कि उनका जीवन हमेशा संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है, लेकिन उन्होंने हमेशा सार्वजनिक जीवन में उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। खरगे ने अनुराग ठाकुर के आरोपों को झूठा और निराधार बताते हुए माफी की मांग की। इसी बीच राज्यसभा में बिल पर हो रही चर्चा के दौरान खरगे ने अनुराग ठाकुर के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने राज्यसभा में कहा, ÷अगर बीजेपी मुझे डराना चाहती है, तो मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट सकता हूं, लेकिन झुकूंगा नहीं। न्होंने आगे कहा कि उनका जीवन हमेशा संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है, लेकिन उन्होंने हमेशा सार्वजनिक जीवन में उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। खरगे ने अनुराग ठाकुर के आरोपों को झूठा और निराधार बताते हुए माफी की मांग की। खरगे ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अगर अनुराग ठाकुर अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते, तो उन्हें संसद से इस्तीफा दे देना चाहिए। खरगे ने कहा, ÷अगर वह साबित कर दें कि वक्फ की किसी भी जमीन पर मेरा या मेरे परिवार का कब्जा है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

ट्रंप टैरिफ से ध्यान भटकाने की कोशिश

जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया ; राज्यसभा में वक्फ बिल पेश करते हुए बोले रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में देर रात वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पारित हो गया है। इस विधेयक पर पूरे दिन बहस हुई। कांग्रेस ने इस दौरान जमकर हंगामा किया। इस विधेयक के पक्ष में 288 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 232 सांसदों ने मतदान किया। आज वक्फ बिल राज्यसभा में पेश किया गया। बता दें कि राज्यसभा में बिल को लेकर चर्चा चल रही है। अनुराग ठाकुर ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पर बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने खरगे पर घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में जो घोटाले हुए उसमें इनके राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे का नाम भी आता है। आज राज्यसभा में अनुराग ठाकुर के आरोपों पर बोलते हुए खरगे ने कहा कि उनके या उनके परिवार के किसी भी सदस्य के वक्फ बोर्ड की 1 इंच भी जमीन पर कब्जे को साबित कर देते हैं, मैं अपने पद (राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष) से इस्तीफा दे दूंगा।

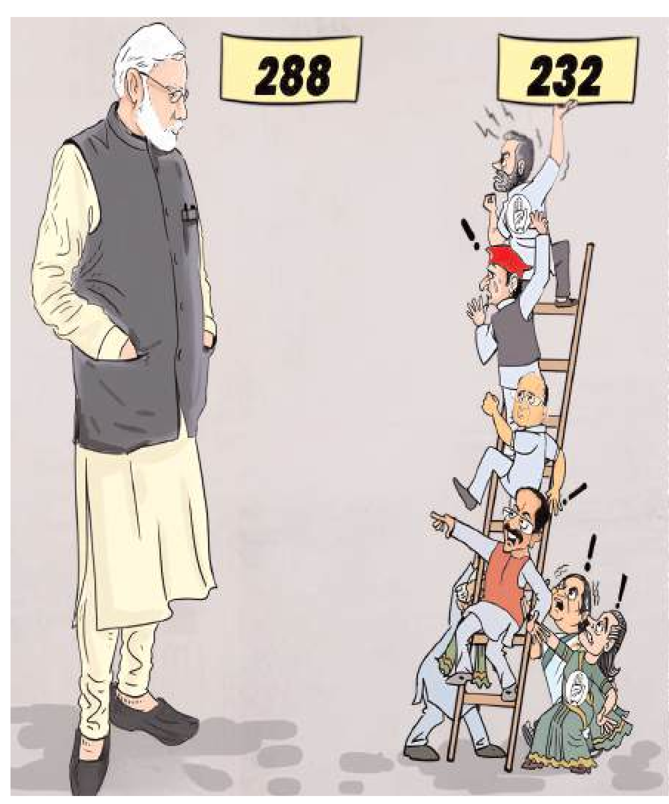

संविधान को कमजोर करने की कोशिश- कांग्रेस

कांग्रेस के नेता गौरव गोगोई ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान को कमजोर करने, अल्पसंख्यकों को बदनाम करने और उनके अधिकारों से वंचित करने के उद्देश्य से यह बिल लेकर आई है। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश होने के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा भी किया। विपक्षी दलों ने इसे अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया।

बिल के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे

क्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित होने पर आज़ाद समाज पार्टी-कांशीराम के सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा, ...हमने अपनी बात रखी। हम इस बिल के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और सड़कों पर उतरेंगे जैसा हमने किसान आंदोलन किया था...

असदुद्दीन ओवैसी पर जगदम्बिका पाल ने साधा निशाना

वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में चल रही बहस के दौरान कहा कि असदुद्दीन ओवैसी इस विधेयक को असवैधानिक कहते हैं, लेकिन उन्होंने विधेयक को फाड़कर असवैधानिक काम किया है... मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि विधेयक क्यों फाड़ दिया? लोकसभा की चर्चा के आखिर में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष वक्फ बिल को असवैधानिक बता रहा है, लेकिन असवैधानिक क्यों है, इसके पीछे तर्क नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए मैंने उम्मीद छोड़ दी है कि वो लोग समझेंगे।

जगदंबिका पाल ने ओवैसी को घेरा

ओवैसी के बाद वक्फ बिल पर बनी छ्वक्क्ष्ट के चीफ और सांसद जगदंबिका पाल ने चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि विचार विमर्श के बाद ये बिल लाया गया। उन्होंने ये भी कहा कि ओवैसी ने वक्फ बिल फाड़कर असंवैधानिक काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी ने किया वक्फ बिल का विरोध

असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में वक्फ बिल का विरोध करते हुए कहा कि यह बिल अनुच्छेद 25, 26 का उल्लंघन है। वक्फ बिल मुस्लिमों के साथ अन्याय है। इसका मकसद मुसलमानों को जलील करना और मैं गांधी की तरह वक्फ बिल को फाड़ता हूं। ये असवैधानिक है।

राजस्थान में वक्फ विधेयक के विरोध में प्रदर्शन

लोकसभा में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने राजस्थान के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। विधेयक पर चर्चा के दौरान लोकसभा में जदयू, तेदेपा एवं लोजपा (आर) समेत राजग के समस्त सहयोगी दल पूरी तरह एकजुट दिखे, जबकि विपक्षी दलों के स्वर थोड़े बदले-बदले से थे। तो आज संशोधन लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती शाह ने साफ कर दिया कि अब यह चोरी नहीं चलेगी।

भारतीय शख्स को अमेरिका में सुनाई गई 35 साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में रहने वाले 31 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 35 साल जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने इस व्यक्ति को कई बच्चों के यौन शोषण का दोषी पाया है। भारतीय मूल के व्यक्ति पर आरोप है कि वो सोशल मीडिया पर अपनी पहचान किशोर की तरह दिखाता था और कम उम्र के लड़के और लड़कियों से दोस्ती करता था और उनका विश्वास जीत लेता था। फिर ये व्यक्ति उन्हें चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी तस्वीरें आदि देने को कहता था और बात नहीं मानने पर उन्हें धमकाता था। अमेरिकी अटॉर्नी रॉबर्ट ट्रॉस्टर ने एक बयान में कहा कि भारतीय नागरिक साई कुमार कुररेमुला को तीन बच्चों के यौन शोषण और चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री रखने के जुर्म में 420 माह जेल की सजा सुनाई गई है। यह व्यक्ति इमिग्रेंट वीजा पर ओक्लहोमा

के एडमंड में रहता था। अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स गुडविन ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने आदेश में कहा है कि सजा पूरी होने के बाद भी कुररेमुला आजीवन निगरानी में रहेगा। उन्होंने कहा कि आरोपी ने पीड़ितों और उनके परिवारों वालों को कभी न मिटने वाला घाव दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कुररेमुला ने कबूल किया कि उसने एक नाबालिग को धमकी दी कि वह उसके घर जाएगा और उसक माता-पिता को उसकी अश्लील तस्वीर दिखाएगा। उसने एक अन्य नाबालिग को भी अश्लील तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी थी।

40° से ज्यादा होगा तापमान; हिमाचल में बर्फबारी, सिस्सू लेक जमी

मप्र-छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में आंधी-बारिश और ओले का अलर्ट राजस्थान-गुजरात में हीटवेव

कोलकाता, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली हवाओं के चलते देशभर में मौसम बदल गया है। पिछले हफ्ते हीटवेव से जूझ रहे कई राज्यों अगले कुछ दिनों तक बारिश और बादल की वजह से तापमान घट जाएगा। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक गुरुवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में आंधी- बारिश और ओले गिर सकते हैं। यहां 40-50kmph की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। यूपी, बिहार, बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, कनार्टक, आंध्र प्रदेश, कोंकण, गोवा और नॉर्थ ईस्ट के सातों राज्यों में बारिश का अलर्ट है। हालांकि, गुजरात के सौराष्ट, कच्छ, पश्चिमी राजस्थान,

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में गर्मी बढ़ेगी। उत्तरी हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते लाहौल स्पीति की सिस्सू लेक जम गई है। अगले 2 दिन कैसा रहेगा मौसम? 6 अप्रैल तक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र झारखंड, पश्चिम बंगाल समेत दक्षिण भारत के कई हिस्सों में बारिश और ओले गिरने का अनुमान है। वहीं गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ, राजस्थान और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में अगले 7 दिनों तक लू चलने की संभावना है। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर देर रात कोटा संभाग में दिखने लगा। बारां-झालावाड़ के एरिया में आंधी चलने के साथ कई जगह बादल छाए और कुछ जगह हल्की बूंदाबांदी हुई।

मध्य प्रदेश: खरगोन, खंडवा, हरदा-बैतूल में ओले गिरने का अलर्ट, आंधी-बारिश का अनुमान: मध्यप्रदेश में आज यानी गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे स्वकमें आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर में बादल छा सकते हैं। यूपी में तेज गर्मी के बीच अचानक मौसम बदल गया है। लखनऊ समेत कई जिलों में सुबह बादल छाए हुए हैं। 26 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिजली गिरने की भी संभावना है। हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो अग्निवीर समेत 3 की मौत

, देहरादून

देर रात सिल्वर सिटी के पास हुए सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों में दो युवक हाल में हुई सेना की अग्निवीर भर्ती में चयनित हुए थे। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात करीब सवा दो बजे तीनों युवक बाइक से राजपुर से घंटाघर की ओर आ रहे थे। राजपुर रोड पर सिल्वर सिटी माल के पास बाइक डिवाइडर से टकराकर गई। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को दून अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उपचार के दौरान एक युवक ने दम तोड़ दिया। जबकि दूसरे की बुधवार दोपहर और तीसरे की मौत देर शाम को हुई। सीओ डालनवाला अनुज आर्य ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान आदित्य रावत (21) निवासी पुरोला, नवीन सिंह (20) निवासी नौगांव और

मोहित रावत (21) निवासी पुरोला, उत्तरकाशी के रूप में हुई है। मोहित और आदित्य का चयन अग्निवीर में हुआ था। दोनों को जल्द ट्रेनिंग पर जाना था। घटना की सूचना मिलते ही तीनों के घर पर कोहराम मच गया। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि नवीन सिंह भी सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था। जहां से ईद की दावत खाकर कार से वापस अपने घर के लिए चले। पुल नंबर 2 शांति घाट के पास रिहान की पत्नी ने अपने पेट में दर्द बताया और जल्दी डॉक्टर को दिखाने के लिए कहा।

पश्चिम बंगाल में 25,753 शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक बरकरार

सुप्रीम कोर्ट बोला- सिलेक्शन प्रोसेस में ही गड़बड़ी, नई भर्तियां 3 महीने में पूरी करें

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। पश्चिम बंगाल में स्कूल सिलेक्शन कमीशन (SSC) ने 2016 में 25 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षकों को नियुक्ति की थी। हाईकोर्ट ने इन नियुक्तियों को अवैध करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच को सही माना है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि पूरी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गई। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई की।

शीर्ष कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। इसके साथ ही CBI जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है। राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा - शिक्षक भर्ती में इस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया! ED ने 22 जुलाई, 2022 को पार्थ चटर्जी के ठिकानों समेत 14 जगहों पर छापेमारी की थी। घोटाले में बंगाल की एक मॉडल अर्पिता मुखर्जी से जुड़ी जानकारी भी सामने आई। छापेमारी के दौरान अर्पिता मुखर्जी की प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले थे। अर्पिता के फ्लैट से करीब 21 करोड़ रुपए कैश, 60 लाख की विदेशी करेंसी, 20 फोन मिले थे।

अब जानिए क्या है पूरा मामला

पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल सेलेक्शन टेस्ट-2016 (स्स्र्ज्ज) के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती की थी। तब 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं। भर्ती में अनियमितताओं के मामले में CBI ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और SSC के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। अर्पिता पेशे से मॉडल थीं। ED ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी (पूर्व शिक्षा मंत्री) को 23 जुलाई 2022 को अरेस्ट किया था। इसके बाद उनकी करीबी मॉडल अर्पिता मुखर्जी के घर पर पड़े छापे में 49 करोड़ रुपए कैश और ज्वेलरी मिली थीं। श्वष्ठ ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी (पूर्व शिक्षा मंत्री) को 23 जुलाई 2022 को अरेस्ट किया था। इसके बाद उनकी करीबी मॉडल अर्पिता मुखर्जी के घर पर पड़े छापे में 49 करोड़ रुपए कैश और ज्वेलरी मिली थीं। मॉडल अर्पिता के घर से 49 करोड़ कैश और करोड़ों की ज्वेलरी मिली थी।

सीजेआई संजीव खन्ना का बड़ा आदेश

सभी के पास होगा सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्योरा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि शीर्ष न्यायालय के सभी 33 जज अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी चर्चाओं के बीच लोगों के विश्वास को बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। पूर्ण न्यायालय की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अपनी संपत्ति का डेटा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी। बता दें, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जज अपनी संपत्ति का ब्योरा पहले ही द चुके हैं, लेकिन इन जानकारियों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा

अगले तीन वर्ष में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है। बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

शराब दुकान खुलने का विरोध में रहवासियो ने किया सुंदरकांड का पाठ

भोपाल। राजधानी भोपाल के कई इलाको में खुली शराब की दुकानो को बंद कराने का विरोध करते हुए महिलाओ के साथ ही स्कूली बच्चे भी सड़को पर आकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। इसी कड़ी में अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे के साथ अब सेमरा साईराम कॉलोनी में भी शराब दुकान खुलने का विरोध तेज हो गया है। यहां बुधवार सुबह बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओ और स्कूली बच्चो ने दुकान हटाने को लेकर सुंदरकांड का पाठ शुरू किया। रहवासियों का कहना है कि अभी जिस जगह दुकान है, वहां स्कूल-धार्मिक स्थल के साथ रहवासी इलाका भी है। ऐसे में हर रोज लोगो को खासी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा हैं। इसे दूसरी जगह शिफ्ट किया जाना चाहिए। कलारी को बंद कराने के लिए स्कूल बच्चे और महिलाएं भी मैदान में उतर आई हैं। बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर इलाके में रैली भी निकाली और दुकान के सामने ही प्रदर्शन किया। गुस्साये लोगो का कहना है कि सेमरा साईराम कॉलोनी के लोग पिछली 3 जनसुनवाई में शराब दुकान को अन्य जगह पर शिफ्ट करने की भी मांग कर चुके हैं। और कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची थी। इन महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी। महिलाओ का कहना है कि कई बार नशे में धुत्त शराबी गंदी हरकतें करते हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी होती है। कई बार शिकायत करने पर भी उन्हें दुकान हटाने का सिर्फ आश्वासन दिया गया जिसके बाद अब उन्होंने सुंदरकांड, धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। प्रदर्शन कर रहे लोगो का कहना है की सुंदरकांड का पाठ गुरुवार तक चलेगा। यदि दुकान शिफ्ट नहीं की जाती है, तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। गौरतलब है की अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे पर शराब दुकान खुलने के विरोध में रहवासी 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ कर चुके हैं। उन्होंने मंगलवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से भी मुलाकात की थी। इसके बाद देर रात तक वे धरने पर बैठे रहे। दुकान के ठीक सामने ही उन्होंने टेंट लगाकर प्रदर्शन शुरू किया है,गुस्साये लोग बुधवार को वहीं डटे रहे। उनका कहना है कि जब तक दुकान शिफ्ट नहीं हो जाती, तब तक यहां से नहीं हटेंगे।

पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान को करें क्रियान्वित : मंत्री सारंग

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। उन्होंने कहा है कि पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के जरिये ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इससे लाभान्वित हो, इसकी तैयारी की जाये। मंत्री श्री सारंग बुधवार को तात्या टोपे स्टेडियम स्थित मेजर ध्यान चंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने दोनों योजना और अभियान को मूर्तरूप से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 9-10 संभाग में इसको त्वरित गति से अग्रसर किया जाये। इसकी विभाग और शासन स्तर की कार्रवाई पूर्ण करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेलो-बढ़ो अभियान 1 मई से शुरू हो। प्रारंभ में इसके लिये 37 जिले चयनित किये गये है। सोशल मीडिया से भी इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाये, जिससे प्रदेश का टैलेन्ट सामने आये। इसका कैलेण्डर तैयार कर लिया जाये। साथ ही बच्चों के पालकों के साथ भी मोटिवेशन वार्तालाप हो। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि सितम्बर से खेलो एम.पी. गेम्स की शुरूआत की जाये, जिससे मध्यप्रदेश की टीम तैयार हो और वही नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले। बैठक में भेल स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, खेलो एम.पी. यूथ गेम्स, प्रकाश तरूण पुष्कर, फिट इंडिया क्लब और नेशनल चैम्पियनशिप पर भी चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक श्री राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव सहित खेल अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री चौहान ने बनासकांठा पहुंच कर घायल श्रमिकों का हाल जाना, बंधाया ढांढस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ देर रात गुजरात के बनासकांठा पहुंचकर मध्यप्रदेश के घायल श्रमिकों एवं उनके परिजन से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। मंत्री श्री चौहान ने घायल श्रमिकों के परिजन से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही राज्य सरकार के द्वारा घायल मजदूरों के उचित इलाज और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन भी दिया। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुजरात, बनासकांठा में घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय प्रशासन से जानकारी प्राप्त की। बनासकांठा जिले के डीसा अस्पताल पहुंचकर घायल श्रमिकों के इलाज के लिये उचित प्रबंध के निर्देश दिए। साथ ही घटना के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्थानीय प्रशासन दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी करेगा। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में मृतक एवं घायल श्रमिकों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश सरकार ने पटाखा फैक्ट्री हादसे में घायल मृतकों के परिजनों को रुपये 2-2 लाख तथा घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रूपये और गुजरात सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये एवं घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

प्रदेश में हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में करियर काउंसलिंग की सुविधा

भोपाल। प्रदेश में शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उचित चयन श्रेष्ठ करियर कार्यक्रम में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हो पाये हैं। उनके अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर उसी कक्षा में प्रवेश के लिये काउंसलिंग की जा रही है। ऐसे विद्यार्थी जो आगे की पढ़ाई निरंतर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें हार के आगे जीत कार्यक्रम में आईटीआई पाठ्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की जानकारी देकर उन्हें व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर और करियर काउंसलर की सेवा लेने के लिये कहा गया है। इस योजना में आवेदकों को अपनी ग्राम पंचायत ग्राम रोजगार सेवक के साथ दाखिला लेने की आवश्यकता है। आवेदक को ट्रेनिंग सेंटर के बारे में जानकारी मिलेगी। इसके लिये आवेदक को आवश्यक पहचान-पत्र, इनमें मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य जानकारी रोजगार सेवक को देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के बाद ऋण उपलब्ध कराने में आवेदक को पूरी मदद दी जायेगी। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में देशभर में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। इस योजना में 3 माह, 6 माह और एक साल के लिये युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। कौशल संबंधी कोर्स पूरा करने के बाद सर्टिफिकेट दिये जाने का प्रावधान है। यह सर्टिफिकेट पूरे देश में मान्य होता है। इस योजना में भी प्रशिक्षण के बाद ऋण प्राप्त करने की सुविधा है। इस योजना में केन्द्र सरकार ने कई टेलिकॉम कंपनियों को इस कार्य के लिये अपने साथ जोड़ रखा है।

सौरभ शर्मा को जमानत लोकायुक्त की नाकामी का प्रमाण

लोकायुक्त अब पहरेदार नहीं, हिस्सेदार है: मुकेश नायक

भोपाल। मध्यप्रदेश में सौरभ शर्मा मामला लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत का ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है। पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा, जिसके पास से करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति, 52 किलोग्राम सोना और 11 करोड़ से अधिक की नकदी बरामद हुई थी, को लोकायुक्त पुलिस की घोर लापरवाही के चलते विशेष लोकायुक्त अदालत से जमानत मिल गई। निर्धारित 60 दिनों में चालान पेश न कर पाने की यह नाकामी कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। इस पूरे प्रकरण में लोकायुक्त की संदिग्ध भूमिका और सरकार की चुप्पी जनता के सामने सच्चाई को उजागर कर रही है। इस हाईप्रोफ़ाइल मामले की जांच के दौरान लोकायुक्त निदेशक जयदीप प्रसाद का अचानक ट्रांसफर इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि सरकार इस मामले को दबाने में जुटी है। जयदीप प्रसाद, जिन्होंने सौरभ शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर छापेमारी की थी, को हटाना स्पष्ट करता है कि बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए सरकार किसी भी हद तक जा सकती है। लेकिन यह कोई पहला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश में लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत से भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का सिलसिला लंबे समय से जारी है। जहां लोकायुक्त अधिकांश मामलों में भ्रष्टाचारियों को बचाने का काम करती है, वहीं कार्रवाई की इच्छा होने पर भी सरकार अभियोजन की अनुमति रोककर अपराधियों की ढाल बन जाती है। लोकायुक्त की कार्यप्रणाली अब एक निकम्मी और नकारा संस्था की हो चुकी है। यह पहरेदार की जगह हिस्सेदार की भूमिका में काम कर रही है। सौरभ शर्मा जैसे हाई-प्रोफाइल मामले में इसकी नाकामी ने साबित कर दिया कि लोकायुक्त पुलिस अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है। लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और अन्य एजेंसियों द्वारा सौरभ शर्मा के ठिकानों से बरामद बेशुमार संपत्ति के बावजूद जांच में ढिलाई, जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर और निर्धारित समयावधि में चालान पेश न करना इस बात का संकेत है कि सरकार और लोकायुक्त मिलकर अपराधियों को खुली छूट दे रहे हैं। ऐसे में अब जरूरी हो गया है कि लोकायुक्त जैसी भ्रष्ट और औचित्यहीन संस्था को बंद कर दिया जाए।

हम सरकार से निम्नलिखित सवाल पूछते हैं: 1. सौरभ शर्मा मामले में चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन जिम्मेदार है?

2. जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है?

3. भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है?

4. लोकायुक्त की बार-बार नाकामी के बावजूद इस भ्रष्ट संस्था को क्यों ढोया जा रहा है?

हम मांग करते हैं कि: ऽ सौरभ शर्मा मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो।

ऽ जयदीप प्रसाद के ट्रांसफर और समयावधि में चालान पेश नहीं करने के कारणों की विस्तृत जांच हो।

ऽ लोकायुक्त संस्था को तत्काल भंग कर इसकी जगह एक स्वतंत्र और प्रभावी संस्था का गठन किया जाए।

मध्यप्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि सौरभ शर्मा को जमानत और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के पीछे का सच क्या है? यदि सरकार ने इस मामले में पारदर्शिता नहीं दिखाई और लोकायुक्त संस्था को बंद करने की मांग पर अमल नहीं किया, तो यह साबित हो जाएगा कि उसका भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का दावा महज एक छलावा है। हम चेतावनी देते हैं कि जनता इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी और इसका जवाब सड़कों पर और लोकतंत्र के हर मंच पर देगी।

मानवता हुई शर्मसार, पुलिस जांच में जुटी

कचरे के ढेर पर फेंका हुआ मिला सात से आठ माह का भ्रूण

भारतमत संवाददाता, भितरवार

बुधवार की अल सुबह मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। भितरवार नगर के मुख्य बाजार स्थित मस्जिद के पास सड़क मार्ग पर बने डिवाइडर पर लगे कचरे के ढेर में एक सात से आठ माह के बच्चे का भ्रूण सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले लोगों को दिखा तो उन्होंने इसकी सूचना भितरवार पुलिस को दी। सूचना के बाद नगरीय निकाय के अमले की मदद से बच्चे के भ्रूण को सड़क से जप्त कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक अस्पताल भेजा गया तो वहीं पुलिस ने भ्रूण फेंकने वाले आरोपी की तलाश में आसपास के लगे सभी सीसीटीवी कैमरे तलाशना शुरू करते हुए भ्रूण फेंकने वाले अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मानवता को शर्मसार करने वाली यह घटना की जानकारी जैसे ही लोगों को लगी तो लोगों में सनसनी फैल गई और लोग सड़क पर कचरे ढेर में पड़े भ्रूण को देखने के लिए वहां भारी तादाद में पहुंचे और हर कोई इस दौरान उन माता-पिता को भला बुरा कहकर कोसता हुआ नजर आया जिन्होंने इस प्रकार के कृत्य के साथ हैवानियत दिखाई और अपने सात से आठ माह के बच्चे को सड़क पर फेंक दिया। उक्त घटना की जानकारी लोगों को जब लगी जब बुधवार की सुबह 5¬30 बजे के करीब रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले लोग जब वहां से गुजर रहे थे तो उनकी नजर कचरे के देर में पड़े भ्रूण पर पड़ी तो उन्होंने पहले आवारा कुत्तों सहित अन्य मवेशियों से बचाने के उद्देश्य से बोरी डालकर उसे ढक दिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची जिसे नगरीय निकाय के अमले के सहयोग से भ्रूण को सामुदायिक अस्पताल भिजवाया। हालांकि उक्त भ्रूण की पहचान 7 से 8 महीने के बालक के रूप में की गई है। तो वही भ्रूण को जपती में लेने के बाद पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की लेकिन उक्त भ्रूण के संबंध में कोई भी आसपास का व्यक्ति कुछ नहीं बता सका। जिस पर पुलिस ने अज्ञात भ्रूण फेंकने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। तो वही जिस स्थान पर भ्रूण बरामद किया गया है उसके आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

इनका कहना है

सड़क पर किसी ने रात्रि के अंधेरे का फायदा उठाकर भ्रूण को फेंका है जिसको लेकर सीसीटीवी कैमरा से जांच की जा रही है साथ ही भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भी दिया गया है और मौत के कारण की जांच की जा रही है। फिलहाल मामले में मर्ग कायमी कर ली गई है।

चंद्रशेखर कुशवाहा- प्रभारी थाना प्रभारी पुलिस थाना भितरवार

7 से 8 महीने के भ्रूण बच्चे का शव आया था जिसका परीक्षण कर उसका प्ले सेंटर और बिसरा इत्यादि लिया गया है इसके कुछ अंग डीएनए के लिए भेजे गए हैं। इसके बाद ही उसकी पहचान सुनिश्चित की जा सकती है।

डॉ एस एल माहौर - मेडिकल ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भितरवार

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय झांसी पर आगामी कार्यक्रमों को लेकर बैठक संपन्न

झांसी। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर बैठक हुई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय मंत्री संजीव उपाध्याय रहे अध्यक्षता संयुक्त रूप से जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल एवं हेमंत परिहार ने की विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, रामतीरथ सिंघल ,जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम ,

मुख्य वक्ता संजीव उपाध्याय ने बताया कि 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस इसी के तहत 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आगामी कार्यक्रम है जो बूथ स्तर पर और जिला स्तर पर क्रियान्वन होना है 6 अप्रैल को सभी कार्यकर्ता जब राष्ट्रीय हो चाहे प्रदेश क्यों चाहे क्षेत्र क्यों हो चाहे जिले के हों अपने घरों पर भाजपा का ध्वज फहराएंगे एवं सेल्फी लेंगे सभी 7 अप्रैल को सभी कार्यकर्ता अपने भूत पर आएंगे एवं बूथ समिति एवं सक्रिय सदस्य प्राथमिक सदस्यों के साथ पार्टी का ध्वजा फहराएंगे ,8 एवं 9 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन होना है यह विधानसभा स्तर पर होगा इसी के साथ गांव चलो अभियान 7 अप्रैल से 11 अप्रैल तक चलेगा ,इस अभियान में सभी जिला पदाधिकारी ,जनप्रतिनिधि जाएंगे और कम से कम 8 घंटे उस गांव मैं रहेंगे और केंद्र एवं प्रदेश की योजनाओं को उनको तक पहुंचाना है ,ग्रामीण क्षेत्रों मैं चौपाल लगाने का काम करना होगा तथा वरिष्ठ सम्मानित जनों का सम्मान करना होगा एवं बूथ की बैठक भी करनी होगी ,14 अप्रैल को समरसता दिवस मनाना होगा एवं बाबा साहब को सम्मान करना है। जिला अध्यक्ष श्रीमंत परिहार ने सभी कार्यकर्ताओं को कहा कि जो संगठन के काम आ रहे हैं उनका पूर्ण निष्ठा से करना है एवं उन्होंने बताया कि अटल जनशताब्दी को लेकर पार्टी का एक कार्यक्रम है जिसमें अटल जी के साथ जिन्होंने काम किया है या प्रबुद्ध जन है उनका एक सम्मेलन करना है।

जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा की 6 अप्रैल स्थापना दिवस से लेकर 14 अप्रैल समरसता दिवस तक की सभी कार्यक्रम भूत से लेकर राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर तक के कार्यकर्ताओं को सभी कार्यक्रमों मैं प्रतिभाग करना है एवं उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन 8 और 9 अप्रैल को होना है। प्रमुख रूप से उपस्थित रहे विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन विधान परिषद सदस्य, रामतीरथ सिंघल, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष सोनी,पूर्व जिला अध्यक्ष संजय दुबे जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम छत्रपाल राजपूत , बद्री प्रसाद त्रिपाठी ,जिला मीडिया प्रभारी सहजेंद्र सिंह बघेल, सह मीडिया प्रभारी सौरभ मिश्रा, अखिलेश गुप्ता,संजीव तिवारी ,सत्येंद्र खरे,ऋषि सैनी ,प्रमोद चतुर्वेदी,रूपेश नायक ,देवेंद्र कंसाना,आयुष श्रीवास ,अमित सिंह जादौन ,कृष्णचंद्र तिवारी ,रोहित सिंह परिहार ,कपिल बरसानियां,टीकाराम पटेल,मोनू मौर्य,गुड्डू पाठक ,संजय गुप्ता,कमलेश परिहार आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने दो महिलाओं को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार

झांसी। बबीना पुलिस ने दो महिलाओं को अवैध शराब के 100 पाउच (करीब 20 लीटर कच्ची शराब) के साथ गिरफ्तार किया। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान रिंकी पत्नी राहुल कबूतरा और रविता पत्नी बाबू निवासी कबूतरा डेरा, न्यायखेड़ा, बबीना के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में कस्बा इंचार्ज प्रदीप शर्मा, एसआई सुनील त्रिपाठी, महिला कांस्टेबल आरती और ज्योति शामिल रहे। पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो दुकानों, गोदाम और पोस्ट ऑफिस के ताले टूटे, लाखों का माल चोरी

झांसी। बबीना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी भेल टाउनशिप में बीती रात अज्ञात चोरों ने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए दो दुकानों, एक गोदाम और पोस्ट ऑफिस के ताले तोड़कर लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश और दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भेल टाउनशिप के कॉम्प्लेक्स संख्या 1 में धर्म प्रकाश अग्रवाल (पुत्र श्री जयराम अग्रवाल) की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने कोल्ड ड्रिंक्स, ड्राई फ्रूट्स और रिफाइंड तेल की 8 पेटियों सहित लगभग 1.5 लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

इसी तरह, पास की जनरल स्टोर के मालिक राजेश शर्मा (पुत्र स्व. मथुरा प्रसाद शर्मा) की दुकान से भी चोरों ने सिगरेट और अन्य महंगे सामान चोरी कर लिए, जिसकी अनुमानित कीमत 10-15 हजार रुपये बताई जा रही है। स्थानीय पोस्ट ऑफिस का ताला भी तोड़ा गया, लेकिन वहां से कोई सामान चोरी नहीं हुआ। धर्म प्रकाश अग्रवाल ने तुरंत डायल 112 और भेल चौकी को घटना की सूचना दी, जिसके बाद बबीना थाना प्रभारी संतोष कुमार अवस्थी और भेल चौकी प्रभारी दिनेश कुमार गिरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। हालांकि, भेल चौकी प्रभारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई,

स्थानीय व्यापारियों ने सीसीटीवी कैमरों की अनुपस्थिति और पुलिस गश्त की कमी पर नाराजगी जताते हुए सुरक्षा बढ़ाने और नियमित गश्त की मांग की है। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस चोरी की घटना ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है, जिससे कॉलोनी के निवासियों और व्यापारियों में भय और आक्रोश व्याप्त है।

प्रवेश उत्सव के तहत सीएम राइज विद्यालय में भविष्य से भेंटथीम पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

जिंदगी को जिंदा देखना हो तो वर्तमान को ठीक से जीना सीखना होगाः बलदेव अग्रवाल

भारतमत संवाददाता, भितरवार

प्रदेश भर में नवीन शिक्षण सत्र 2025- 26 की शुरुआत 1 अप्रैल से स्कूल चले हम अभियान के रूप में शुरू हो गई है। अभियान के दौरान प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रवेश उत्सव के दौरान अलग-अलग थीम पर चार दिवसीय कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। इसी क्रम में अभियान के दूसरे दिन बुधवार को शासकीय सीएम राइज मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में ÷भविष्य से भेंट÷की थीम को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां उन्होंने उपस्थित बच्चों को भविष्य को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, जिंदगी को जिंदा देखना हो तो वर्तमान को ठीक से जीना सीखना होगा। जिसके लिए लक्ष्य बनाकर शिक्षा हासिल करना है और लक्ष्य बनाकर ही हमें अपना मुकाम स्थापित करना है।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से शासन द्वारा निर्धारित की गई भविष्य से भेंट थीम कार्यक्रम की शुरुआत नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नारायण सिंह राजे, पत्रकार प्रदीप अग्रवाल, पत्रकार जितेंद्र पाठक, स्कूल की वरिष्ठ शिक्षका आरती आगासे, प्रभारी प्राचार्य दिलीप टंडन के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। जहां उपस्थित नव प्रवेशी विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल ने कहा कि किसी भी मुकाम को हासिल करने के लिए उसके लक्ष्य का होना जरूरी है। चाहे अध्यापन कार्य हो या खेलकूद सभी में लक्ष्य का होना जरूरी है। उन्होंने सदाचार का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि नियमित स्कूल आए और अपने सह पाटियों को भी और उनके अभिभावकों को प्रेरित करें जिससे कि वह भी स्कूल आ सके। वहीं उन्होंने शिक्षकों को भी किताबिक ज्ञान के साथ बच्चों को वहांम ज्ञान देने की बात कही। इस दौरान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नारायण सिंह राजे ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षित होना जरूरी है, शिक्षा के बगैर सब सुन है यानी कि जीवन अंधकार मय है। वहीं उन्होंने सीएम राइज स्कूल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार की बहुत बड़ी पहल है कि अब प्राइवेट स्कूलों की तरह सरकारी स्कूल में भी बच्चों को अच्छी सी अच्छी शिक्षा मिल सके। जिसके लिए प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर गुरुकुल श्रेणी के स्कूल खोले गए हैं। इस दौरान अन्य लोगों ने भी अपने विचार साझा करते हुए बच्चों को थीम आधारित विषय वस्तु से अवगत कराते हुए मन लगाकर पढ़ने और अपने नगर-गांव से लेकर अपने घर परिवार का नाम रोशन करने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिक्षक हेमंत शर्मा, राजेश बाबू, राकेश जोशी,अरविंद नामदेव, गीतांजलि, मनीष माझी, संजय सेन, नेहा शर्मा, खुशबू मेहरा, शिशुपाल सिंह के अलावा अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

मध्यान भोजन की गुणवत्ता व मेनू पर जताई नाराजगी

सीएम राइज विद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन की ÷भविष्य से भेंट÷थीम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर परिषद अध्यक्ष ने जहां बच्चों के बीच अपने विचार साझा किया तो वहीं उन्होंने बच्चों से मध्यान भोजन कार्यक्रम के तहत दिए जाने वाले खाने के संबंध में जानकारी ली तो बच्चों ने कहा कि मंगलवार को सब्जी और पूरी आती है बाकी के दिनों में नमक हल्दी डला हुआ चावल आता है। मंगलवार को आने वाली सब्जी पूरी भी पूरी तरह से गुणवत्ता विहीन दी जाती है जो खाने की योग्य नहीं होती है, उसे लेकर कुत्ता बिल्ली को डाला जाता है। जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और उन्होंने जानकारी ली की कौन सी एजेंसी मध्यान भोजन वितरित करती है जिस पर अन्य स्कूलों के द्वारा भी बताया गया की जय मां दुर्गे स्व सहायता समूह के द्वारा लंबे समय से हल्दी और नमक वाला सादा चावल मध्यान भोजन में दिया जा रहा है जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और छात्रों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही शासन द्वारा निर्धारित किए गए मेनू के अनुसार खाना उपलब्ध कराया जाएगा। फिर उन्होंने इसकी शिकायत तत्काल ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान को भी की और खाने की गुणवत्ता में सुधार और मेनू अनुसार बच्चों को खाना दिलवाए जाने की बात रखी। जिस पर श्रीमती चौहान द्वारा भी शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन अध्यक्ष श्री अग्रवाल को दिया गया है।

केतन ने मीनेश क्रिकेट लीग में तूफानी शतक जड़ा

झांसी। मीनेश प्रीमियर के बुधवार को खेले गए मुकाबलों में टीचर्स वॉरियर्स के केतन कुशवाहा ने तूफानी शतक जड़ अपनी टीम को जीत दिलाई।इसके अलावा भेल टाइगर,वर्कशॉप कैपिटल,यूपीपीसीएल ने जीत दर्ज की।

सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट मैदान पर पहला मुकाबला सीएमएलआर जूनियर और वर्कशॉप कैपिटल के बीच खेला गया। जिसमें वर्कशॉप कैपिटल की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 172 रन बनाए जिसमें लोकेश मीना ने 59 रनों की पारी खेली। जवाब में सीएमएलआर जूनियर की टीम 116 रनों तक ही पहुंच पाई और ये मुकाबला 56 रनों से हार गई मैच के प्लेयर ऑफ द मैच लोकेश मीना रहे।

दूसरा मुकाबला भेल टाइगर और बैंकर्स इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें भेल टाइगर ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट गंवा के 204 रन बनाए। जिसमें जाहिद अली ने 52 रनो की पारी खेली। जवाब में बैंकर्स इलेवन के टीम 94 रनों पर ऑल आउट हो गई और ये मुकाबला 110 रनों से हार गई। विवेक तिवारी ने 4 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

तीसरा मुकाबला इरिगेशन विभाग और यूपीपीसीएल के बीच खेला गया। जिसमें इरिगेशन विभाग की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 130 रन बनाए। जिसमें अभिषेक ने 57 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में यूपीपीसीएल की टीम ने यह लक्ष्य 12.1 ओवर में हासिल कर लिया और 7 विकेट से ये मुकाबला जीता। हिमांशु यादव ने 64 रनों की शानदार पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

चौथा मैच टीचर झांसी वॉरियर और ब्रिज इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें टीचर झांसी वॉरियर की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 234 रन बनाए। जिसमें केतन कुशवाहा ने 128 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में ब्रिज इलेवन की टीम 70 रनों पे ऑल आउट हो गई टीचर झांसी वॉरियर ने यह मुकाबला 164 रनों से जीता। राकेश साहू ने 4 विकेट लिए। मैच के प्लेयर ऑफ द मैच केतन कुशवाहा रहे । सभी मैचों के एम्पायर जितेंद्र मीना और दीपक मीना, स्कोरर हंसराज मीना रहे। कॉमेंटेटर केदार मीना रहे इस अवसर पर कमेटी के सदस्य राजू मीना, रतन मीना,सीएल मीना, मौजूद रहे।

बुंदेलखंड हमारे लिए जरूरी है : कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह

बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा

झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर झांसी को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग की गई। इस अवसर पर कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके बिना इस क्षेत्र का समुचित विकास संभव नहीं।

ज्ञापन में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर बताया गया कि 12 मार्च 1948 को बुंदेलखंड की 34 रियासतों को मिलाकर बुंदेलखंड राज्य का गठन किया गया था, जिसकी राजधानी नौगांव थी। बाद में इसे विंध्य प्रदेश का नाम दिया गया, लेकिन 1956 में इसे समाप्त कर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बांट दिया गया, जो अन्यायपूर्ण था। 2011 की जनगणना और क्षेत्रफल के अनुसार बुंदेलखंड देश के 18वें या 19वें सबसे बड़े राज्य के रूप में योग्य है। अतः केंद्र सरकार से शीघ्र पृथक बुंदेलखंड राज्य के गठन की मांग की गई। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव मो. नईम मंसूरी, जिलाध्यक्ष विनोद वर्मा, मो. आरिफ कमाल, महिला सभा की जिलाध्यक्ष शारदा शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ऊषा परिहार, बुंदेलखंड छात्र संघ अध्यक्ष राजू वंशकार सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा से वंचित हो रही बेटी को मिला अभिभावक के रूप में संदीप का साथ

झाँसी। संघर्ष सेवा समिति की प्रतिष्ठा आज एक पौधे से वट वृक्ष के रूप में परिवर्तित होती जा रही है जनपद व आसपास की नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो वह झोकन बाग स्थित कार्यालय पर संपर्क करते हैं। समिति द्वारा असहायों एवं पीड़ितों की यथासंभव सहायता की जाती है, इसी क्रम में जनपद के बड़ागांव गेट बाहर निवासी पूनम रायकवार अपनी पुत्री तनु रायकवार के साथ संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंची, तनु के पिता रामेश्वर प्रसाद टैक्सी चलाते हैं एवं माता पूनम प्राइवेट जॉब करती हैं। माता-पिता के आपसी कलह के कारण तनु अपनी माता के साथ रहती है किसी तरह तनु की माता परिवार का गुजर बसर कर रही हैं। तनु की शिक्षा में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा था, संघर्ष सेवा समिति की सक्रिय सदस्य कुसुम साहू द्वारा तनु और उनकी माता को संघर्ष सेवा समिति कार्यालय लाया गया। जहां समिति के संस्थापक डॉ संदीप ने अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित एसपीडीपी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शरद गुप्ता से इस संबंध में बात की डॉक्टर संदीप के निवेदन पर शरद गुप्ता ने मानवतावादी दृष्टिकोण दिखाते हुए फीस में छूट देने का आश्वासन दिया, साथ ही वंदना बुक डिपो के संचालक बबलू गुप्ता ने तनु की शिक्षा हेतु पूरा कोर्स निशुल्क रूप से उपलब्ध कराया। कहते हैं जब व्यक्ति की नियत साफ और सो मानवतावादी हो तो सहयोग के लिए कई हाथ खड़े हो जाते हैं तनु रायकवार का प्रकरण इस बात का ज्वलंत उदाहरण है। इस अवसर पर डॉक्टर संदीप ने कहा प्रत्येक ब बच्चों के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो हमें निम्न स्तर से उच्च स्तर की ओर ले जा सकता है शिक्षा आर्थिक लाभ के साथ व्यक्ति में योग्यता भी लाती है। तनु रायकवार जैसी कई बेटियां आज धन के अभाव में शिक्षा से वंचित हो रही हैं जो हम सभी के लिए निंदनीय है हमारा संगठन प्रयास करता है कि कोई भी छात्र-छात्रा किसी अभाव में शिक्षा से अछूते ना रह जायें। आज तनु की शिक्षा में शरद गुप्ता और बबलू गुप्ता का भी जो योगदान रहा वह प्रशंसा योग्य है, हम दोनों महानुभावों का सहयोग के लिए अभिवादन करते हैं। इस अवसर पर सतनाम सिंह (काके), छत्रपाल राजपूत, ओमकार सचान, संदीप नामदेव, कुसुम साहू, भावना अग्रवाल, महेंद्र रायकवार, अरुण पांचाल, आशीष विश्वकर्मा, राजू सेन, बसंत गुप्ता, सुशांत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

न्याय मूर्तियों का अहंकार और बार के बीच तल्खी

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका और बार के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है उसके कारण न्यायपालिका की साख आम जनता के बीच में लगातार गिरती जा रही है। न्यायपालिका की निष्पक्षता और न्याय, गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग, इस तरह की धारणा जनसामान्य में बनती चली जा रही है। शीर्ष अदालतों में जिस तरह से कुछ वरिष्ठ वकील और जजों के बीच में विभिन्न प्रकरणों में समन्वय देखने को मिलता है। उसके कारण बार के अन्य वकीलों में यह धारणा बनने लगी है। न्यायमूर्ति की कुर्सी पर बैठे हुए जज पूर्व धारणाओं के आधार पर अथवा संबंधों के आधार पर मामलों की सुनवाई करते हैं। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्तियों के रुख से पता चल जाता है। वह क्या फैसला करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। सोशल मीडिया में उनको लेकर समय-समय पर उनके निर्णयों पर जो प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वह अच्छी नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा समय-समय पर उनकी कोर्ट में सुनवाई के तौर तरीके और उनके निर्णयों को लेकर असहमति जताते हुए अपने प्रकरणो की सुनवाई दूसरे बेंच में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट मे जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ में जिस तरह की स्थिति देखने को मिली, वह आश्चर्यचकित करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, सोमा सुंदरम को एक आपराधिक मामले में जिस तरह से फटकार लगाई। उसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का बार एकजुट हो गया। बार के विरोध को देखते हुए खंडपीठ को अपने निर्णय में संशोधन करना पड़ा। अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मद्रास हाईकोर्ट द्वारा जो आदेश पारित किया गया था, उसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। इस याचिका में आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए, दो सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। याचिका कर्ता ने विशेष अनुमति याचिका दायर कर आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी । जिस पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बिफर गई। वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम के बारे में की टिप्पणी और आदेश, से वकीलों की नाराजी बढ़ गई। खंडपीठ ने न्यायालय प्रशासन में हस्तक्षेप मानते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम एवं मधु कृष्णा के ऊपर अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया। इससे वकील भड़क गए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था। वकील साहब को अपनी बात रखे जाने का मौका दिया जाना चाहिए। खंडपीठ बिना सुने, उन्हें कैसे दोषी ठहरा सकती है। बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था, कि खंडपीठ इस तरह से वकीलों का केरियर को खत्म नहीं कर सकती है। पिछले कुछ समय से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों द्वारा वकीलों के ऊपर जुर्माना लगाने अथवा कार्रवाई करने को लेकर वकीलों में पहले से ही नाराजी थी। इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। बिना सुनवाई याचिकाओं को खारिज किया जा रहा है, कास्ट लगाई जा रही है। बार कांउसिल के सदस्यों के यह धारणा बनने लगी है, जजों द्वारा पूर्व निर्धारित धारणा के आधार पर अनुचित कार्रवाई की जा रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों का बार सदस्यों के साथ जिस तरह का व्यवहार होता है,उससे लगता है कोर्ट वकील की दलील को सुनना भी नहीं चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ में एक वकील ने अदालत में कहा, कि मेरे विद्वान मित्र, इस पर न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी ने टोंकते हुए कहा, उन्हें विद्वान मित्र मत कहिए। हम परेशान और दुखी हैं, यह कहते हुए उन्होंने वकीलों के ऊपर नाराजगी जता दी। जिसके कारण वकील भड़क गए। पिछले कुछ वर्षों में बार के वकीलों और जजों के बीच में दूरियां बढ़ती चली जा रहीं हैं। सुनवाई के दौरान और फैसलों पर आम धारणा बनती चली जा रही है। वह संविधान, कानून और नियम के अनुसार न होकर सरकार के पक्ष में होते हैं। जिन मामलों मे सरकार को तकलीफ हो सकती है, या जिन मामलों में सरकार सुनवाई नहीं चाहती है, उनकी सुनवाई लगातार शीर्ष अदालतों द्वारा टाली जाती है। जिस मामलें में सरकार पक्षकार होती है उसमें तारीख पर तारीख लगती है। जजों द्वारा जिस तरह से मामलों में सुनवाई को टाला जाता है, उसको लेकर अब एक विरोध बार और न्यायालय के बीच दिखने लगा है। सुप्रीम कोर्ट में आज जिस तरह से अपने स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने के लिए वकील एकजुट हो गए। खंडपीठ को अपने आदेश में संशोधन करना पड़ा। इसका कोई अच्छा संदेश नहीं गया है। जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से आधे अधूरे निर्णय आ रहे हैं। उन्हीं मामलों में सुनवाई होती है जिन मामलों में सरकार सुनवाई चाहती है। आम मुकदमों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की प्राथमिकता अलग होती है। वीवीआईपी मामलों के लिए प्राथमिकता अलग तय होती है। न्यायालय के निर्णय सरकार के लिए अलग और विपक्षी पक्ष के लिए अलग होते हैं। न्याय का पलड़ा सरकार की तरफ झुकता है। बार कांउसिल के सदस्यों और न्यायमूर्तियों के बीच में आपसी समझ बेहतर हो, इसका ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

राशिफल

मेष: स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, किसी तनावपूर्ण स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा।

वृष: कार्यवृत्ति अनुकूल, चिन्ताऐं कम हों, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास अवश्य ही होगा।

मिथुन: कार्यवृत्ति अनुकूल, चिन्ताएं कम हों, पारिवारिक समस्या निपटेंगी, कार्य होगा।

कर्क : व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेंगी, दैनिक स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा।

सिंह: समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, समय का ध्यान देवें।

कन्या सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा नवीन कार्य फलीभूत हो सकते हैं, कार्य बनें।

तुला चिन्ताएं कम हों, समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य फलीभूत हों सफलता मिले।

वृश्चिक मनोवृत्ति एवं भावनाएं उत्साहवर्धक हों, कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा।

धनु दैनिक कार्यगति अनुकूल, मनोकामना पूर्ण होगी, शुभ समाचार अवश्य मिलेगा।

मकर व्यर्थ धन व्यय, विरोधी परेशान अवश्य ही करेंगे, समय का ध्यान रखें।

कुंभ समाज में मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होवेगी, व्यवसाय में साधन प्राप्त करें।

मीन तनाव व क्लेश, अशांति से बनते हुए कार्य अवश्य ही बिगड़ जायेंगे, विवाद से बचें।

महंगाई में पिसते कर्मचारी, राहत में नहाते सांसद 2% बनाम 24% का गणित!

(लेखिका --प्रियंका सौरभ)

(दोहरे मापदंड: कर्मचारी परेशान, सांसद मालामाल)

सरकार ने जहां सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (ष्ठ) में मात्र 2त्न की वृद्धि की, वहीं सांसदों के भत्तों और वेतन में 24त्न की बढ़ोतरी कर दी। यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता में नाराजगी पैदा कर रहा है। कर्मचारियों के लिए 2त्न ष्ठ वृद्धि ऊंट के मुंह में जीरा समान। सांसदों को पहले से ही कई सुविधाएँ मिलती हैं, फिर भी वेतन में बड़ी बढ़ोतरी। सरकार जब आम जनता की राहत की बात आती है, तो बजट की कमी बताती है, लेकिन सांसदों के लिए खजाना खुला रहता है।

देश में महंगाई की मार लगातार बढ़ रही है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, पेट्रोल-डीजल की कीमतें जेब हल्की कर रही हैं और आम आदमी सोच रहा है कि अगली सैलरी आएगी तो कौन-कौन से खर्चे टालने पड़ेंगे? लेकिन इस बीच सरकार ने दो अलग-अलग वर्गों के लिए दो अलग-अलग राहत पैकेज जारी कर दिए- सरकारी कर्मचारियों के लिए महज 2त्न महंगाई भत्ता (ष्ठ) बढ़ाया गया।?? सांसदों के भत्तों और वेतन में 24त्न की बढ़ोतरी की गई।

यानी एक वर्ग को ऊंट के मुंह में जीरा, तो दूसरे को भरपूर दावत! यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता के बीच गहरी नाराजगी पैदा कर रहा है। सवाल यह उठता है कि महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए ही क्यों बढ़ी दिखती है? यह फैसला साफ तौर पर सत्ता पक्ष के हितों को साधने के लिए लिया गया है, जबकि आम जनता और कर्मचारियों को उनके हक से वंचित रखा गया है। मीडिया में भी यह मुद्दा सुर्खियों में है। प्रमुख समाचार चैनलों और अखबारों में 2त्न बनाम 24त्न का भेदभाव जैसे शीर्षक देखने को मिल रहे हैं। विशेषज्ञ इसे सरकार की जनविरोधी नीति करार दे रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सिर्फ 2त्न-क्या यह मजाक है?

महंगाई भत्ते (ष्ठ) का मकसद कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से राहत देना होता है। लेकिन जब खुदरा महंगाई दर 6-7त्न के पार जा चुकी है, तब महज 2त्न ष्ठ वृद्धि से कर्मचारियों को क्या राहत मिलेगी? यह ठीक वैसा ही है जैसे किसी भूखे इंसान को एक बिस्किट देकर कह दिया जाए-यही बहुत है!

सरकारी कर्मचारियों के संघों और यूनियनों का गुस्सा जायज़ है। वे लंबे समय से उचित वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते में वाजिब बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने इसे टालने योग्य खर्च मानकर नाममात्र की वृद्धि कर दी। अब कर्मचारी संगठनों के सामने कुछ बड़े सवाल खड़े हो गए हैं- क्या महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए बढ़ी है?? जब कर्मचारियों का ष्ठ बढ़ाना हो, तो खजाना खाली क्यों दिखता है? क्या आम कर्मचारियों का योगदान सरकार के लिए कम हो गया है?

सांसदों को 24त्न की राहत-किसके पैसे से?

अब जरा सांसदों की स्थिति पर नज़र डालें। सांसदों को पहले से ही कई भत्ते और सुविधाएँ मिलती हैं-?? फ्री हवाई और रेल यात्रा?? सरकारी बंगले और दफ्तर?? स्टाफ सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था?? अलग से चिकित्सा और पेंशन लाभ, इतनी सुविधाओं के बावजूद, उन्हें वेतन और भत्तों में 24त्न की बढ़ोतरी दी गई। यह एकतरफा फैसला जनता और कर्मचारियों के साथ अन्याय की ओर इशारा करता है। सवाल उठता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था सुधारने की बात हो रही है, तब सांसदों के वेतन में इतनी बड़ी वृद्धि का औचित्य क्या है?

जनता और कर्मचारी बोले-यह अन्याय है!

सरकारी कर्मचारियों और आम जनता के बीच इस फैसले को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। सोशल मीडिया पर सरकार को घेरने वाले मीम्स और पोस्ट्स की बाढ़ आ गई है। ट्विटर और फेसबुक पर लोग कह रहे हैं-महंगाई सबके लिए बढ़ी है, लेकिन सरकार की नजर में सिर्फ सांसदों को ही राहत चाहिए! एक कर्मचारी बोला- चलो, अब महंगाई को भी ड्रुढ्ढक और आम आदमी में बांट दिया गया! एक और ट्वीट- अगर सांसदों को 24त्न बढ़ोतरी मिल सकती है, तो कर्मचारियों के लिए भी वही फॉर्मूला लागू हो! यह सिर्फ वेतन वृद्धि का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाने का समय है। जब भी आम जनता को राहत देने की बात आती है, तब सरकारी खजाना खाली बताया जाता है, लेकिन जब खुद सांसदों की सुविधा बढ़ाने की बात हो, तो बजट की कोई चिंता नहीं होती!

क्या अन्य देशों में भी ऐसा होता है?

अगर अन्य देशों की बात करें, तो विकसित लोकतंत्रों में सांसदों के वेतन वृद्धि पर सख्त नियम होते हैं और यह आमतौर पर महंगाई दर के अनुरूप ही बढ़ाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों में सांसदों के वेतन को वेतन आयोग और स्वतंत्र आर्थिक संस्थाओं द्वारा तय किया जाता है, न कि सरकार द्वारा सीधे। भारत में सांसद अपने वेतन और भत्ते खुद निर्धारित करने की शक्ति रखते हैं, जिससे यह असंतुलन पैदा होता है। यही कारण है कि यह मुद्दा बार-बार जनता के आक्रोश का कारण बनता है।

अब आगे क्या?

सरकारी कर्मचारी यूनियन इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। वेतन आयोग और नीति-निर्माताओं पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि ष्ठ वृद्धि को महंगाई दर के अनुरूप किया जाए। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी या फिर यह मुद्दा कुछ दिनों में दब जाएगा? इस फैसले ने साफ कर दिया है कि जनता की मेहनत की कमाई पर सबसे पहला हक नेताओं का ही बनता है। कर्मचारियों और जनता के साथ ऐसा दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है? आपको क्या लगता है-क्या यह फैसला जायज़ है, या कर्मचारियों के साथ मजाक? सरकार की प्रतिक्रिया पर भी नजरें टिकी है। राजनीतिक दृष्टिकोण से, यह मुद्दा जनता के असंतोष को बढ़ा सकता है, जिससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर मिलेगा। अगर सरकार इस फैसले को सही ठहराने की कोशिश करती है, तो यह कर्मचारियों और मध्यम वर्ग के बीच और ज्यादा नाराजगी पैदा कर सकता है।

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

(लेखक- ललित गर्ग)

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की

सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में।

पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए।

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए।आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ना त्रासदी है। भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, उनकी सुविधाओं एवं स्वच्छंदता का शिकार सर्वाधिक वृद्ध हो रहे हैं। आज वृद्धजन अपनों से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। निश्चित ही वृद्ध जीवन अभिशाप बन रहा है, क्योंकि आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके।

मणिकर्ण हादसा: दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

(लेखक - नरेंद्र भारती)

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गएद्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गईद्य कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी द्य फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे द्य चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैंद्य भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं द्य ताज़ा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं द्य यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफ़ी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते द्य 2024 में चंडीगढ़ -मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था द्य गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था द्य साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी द्य किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे द्य हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी द्यभरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे द्य यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके द्य फोरलेन के लिए,सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं द्य गत वर्ष बरसात में काफ़ी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं द्यगत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौंगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमींदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-सम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्य पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में रातें काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों का मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय = पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।

पहले दो समन में पेश नहीं हुए कामरा को थमाया तीसरा समन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था- एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड। कामरा ने लिखा-आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं - या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी।

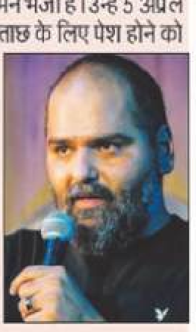

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत पिछले दो दिनों से बिगड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उनका ब्लड शुगर बढ़ गया है, जिससे उनके एक पुराने जख्म में तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास में डॉक्टरों की टीम उनकी देख-रेख कर रही है। डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। आज बुधवार को एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली ले जाने की बात सूत्र बता रहे हैं। इससे पहले 26 मार्च को गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ प्रदर्शन में वे तेजस्वी यादव के साथ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार को देखना चाहिए, हम इसके विरोध में हैं। जनता सब समझ रही है। यहां बताते चलें कि लालू यादव के अनेक बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें 2014 में ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी, जिसमें एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। 2022 में सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट की थी। सितंबर 2024 में मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसमें एक स्टेंट लगाया गया था। 76 वर्षीय लालू यादव की तबीयत पहले भी कई बार खराब हो चुकी है, लेकिन इस बार शुगर लेवल बढ़ने के कारण डॉक्टर ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं।

अनंत अंबानी ने पदयात्रा में 250 मुर्गियों की जान बचाई

जामनगर (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पदयात्रा चल रही है। वह अपने जन्मदिन पर द्वारकाधीश जाकर भगवान द्वारकाधीश का आशीर्वाद लेंगे। मंगलवार को वह पाटिया गांव पहुंचे। पदयात्रा के दौरान रास्ते में 250 मुर्गा-मुर्गियों को बाजार में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। उन्होंने रोककर दुगनी कीमत देकर 250 मुर्गा मुर्गियों को आजाद करवा दिया। अनंत अंबानी पक्षियों और पशुओं के प्रति काफी संवेदनशील हैं। जामनगर में उन्होंने वन तारा नाम से एनिमल रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित कर रखा है। जिसे प्राणी मित्र के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

गो तस्करों और सीआईए टीम के बीच हुई मुठभेड़, 2 तस्कर घायल, जवान को लगी गोली

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले में 14 दिनों में तीसरी मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को तावडू सीआईए की टीम और गो तस्करों के बीच गांव सीलखो पहाड़ के पास मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में दो गो तस्कर, सलीम (पुत्र जुम्मे खां, निवासी पचगांव) और साजिद (पुत्र इसाक, निवासी नागलपुर) घायल हो गए। दोनों को शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो अवैध बंदूकें, एक कारतूस, चार खाली कारतूस, एक मिस कारतूस, एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, तीन गोवंश, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान दो तस्कर घायल हुए हैं। यह जिले में 14 दिनों के भीतर गो तस्करों और पुलिस के बीच तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 18 मार्च को तावडू सीमा के गांव गुरनावट में रेलवे ट्रैक के पास आडवाणी गैंग के तीन गो तस्कर पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए थे, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इसके बाद नूंह-सोहना सड़क पर नूंह सीआईए की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो गो तस्कर भाग निकले थे। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में गो तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती को उजागर किया है। जांच जारी है और पुलिस फरार संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

64 साल बाद गुजरात में कांग्रेस करेगी अधिवेशन, खोई ऊर्जा हासिल करने का प्रयास

यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एक शुरुआती कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

यह एआईसीसी सत्र कई ऐतिहासिक संयोगों के कारण खास है। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित होगा। सरदार पटेल की विरासत पर फिर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति? बीते एक दशक में बीजेपी ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन महज संयोग नहीं माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर हो रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी।

भारत ने भी भेजी 400 टन राहत सामग्री म्यांमार, तलाशी अभियान में भी जुटी भारतीय टीम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने मदद के हाथ बढ़ाया था। भारत ने मंगलवार को फिर 400 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। इसके अलावा भारत ने राहत-बचाव और तलाशी अभियान के लिए टीम भी भेजी है। भारत सरकार ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहा है। बता दें शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। भारत मांडले एयरपोर्ट पर एक अस्पताल भी चला रहा है जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। वहीं 80 सदस्यों वाली एनडीआरएफ टीम इमारतों के मलबे से लोगों को निकालने का काम कर रही है। मंगलवार को विशाखापट्टनम पोर्ट से आईएनएस घड़ियाल को 442 मीट्रिक टन राहत सामग्री के साथ रवाना किया गया है। वहीं एसी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए 16 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। 30 टन राहत सामग्री पहले ही म्यांमार पहुंचाई जा चुकी है। इसमें खाने का सामान, टेंट और दवाइयां थीं। आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 50 टन सामग्री लेकर म्यांमार पहुंच चुका है। म्यांमार में तेज भूकंप के बाद भी कई झटके आए हैं। ऐसे में लोग डरे हुए हैं और वे अपने घर जाने को तैयार नहीं हैं। बड़ी संख्या में लोग खुले में या फिर टेंट में रहने को मजबूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि पड़ोसी प्रथम की नीति के तहत भारत ने तुरंत ही राहत और बचाव के लिए इंतजाम शुरु कर दिए थे। भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सबसे पहले मदद का हाथ आगे बढ़ाता है।

महाराष्ट्र में किसान की अपील, किडनी, लीवर और आंखे ले लो, और कर्ज से मुक्ति दे दो

वाशिम (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक किसान ने महाराष्ट्र सरकार की नीति के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया है। अडोली गांव निवासी किसान सतीश ईडोले वाशिम के मुख्य मार्केट पहुंचे। जहां उनके गले में एक बैनर लटका हुआ दिखा। बैनर पर लिखा था किसानों के शरीर के अंग मोल ले लीजिए और कर्ज से मुक्ति दे दीजिए उसके नीचे शरीर के अंगों की कीमत डाल रखी थी। इसमें किडनी की कीमत 75 हजार, लीवर 90 हजार, आंखें 25 हजार रुपए लिखी गई थी।

किसान ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिला अधिकारी कार्यालय की ओर से लिखित पत्र भी भेजा है। पत्र में लिखा है कि चुनाव के पहले देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि उनकी सरकार आएगी, तब किसानों का कर्ज माफ करेगी। मेरे पास कर्ज चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं और आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिख रहा है। किसान ईडोले के पास 2 एकड़ खेत है। बताया जाता है कि किसान पर महाराष्ट्र बैंक का 1 लाख रुपये के आसपास का क्रॉप लोन बकाया है। किसान सतीश ने कहा कि चुनाव से पहले वादा किया था कि अगर उनकी सरकार आई, तब किसानों का कर्ज माफ होगा। लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने हाल ही में कहा है कि कर्ज माफ नहीं होगा। किसान कर्ज का भुगतान करें। किसान ने सरकार से कहा कि उसकी किडनी की कीमत से भी उसका कर्ज अदा नहीं हुआ, तब उसकी पत्नी की किडनी 40 हजार, बड़े बेटे के किडनी की 20 हजार और छोटे बेटे की किडनी 10 हजार रुपए में ले लिया जाए और कर्ज से मुक्ति दे दिया जाएगा।

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

राजस्थान में पारा पहुंचा 42 डिग्री के पार, दक्षिण में हल्की से मध्यम बारिश असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है।

वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

सोनिया गांधी को केंद्रीय मंत्री प्रधान का जबाव, एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के शिक्षा नीति को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोनिया गांधी ने हाल ही में मोदी सरकार पर शिक्षा क्षेत्र में केंद्रीकरण, कारोबारीकरण और सांप्रदायिकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव है, जो भारत को बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्त करने की दिशा में बढ़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने एक अंग्रेजी अखबार में एक लेख के जरिए तर्क दिया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने भारत की शिक्षा प्रणाली की काफी अनदेखी की, जिससे संस्थानों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन तेजी से बढ़ा। उन्होंने 2009 में हुए डीम्ड विश्वविद्यालय घोटाले का हवाला देकर कहा कि बिना उचित मूल्यांकन के कई निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया था, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता काफी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ा, और शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी रही। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने पाठ्यपुस्तकों में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कम दिखाया गया, जबकि विदेशी आक्रमणों का महिमामंडन किया गया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 इन पुरानी नीतियों से एक निर्णायक विराम है, और इसे व्यापक लोकतांत्रिक परामर्श के बाद लागू किया गया है। शिक्षा मंत्री ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि महिला पीएचडी नामांकन में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और एसटीईएमएम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाया जा रहा है।

तमिलनाडु में नीट को लेकर 8 सालों में 20 परीक्षार्थियों ने की खुदकुशी

राज्य की मुख्य पार्टियां भी हटाना चाहती हैं नीट, नहीं मिल रही सफलता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में कम-से-कम 20 नीट के परीक्षार्थी खुदकुशी कर चुके हैं। राज्य की मुख्य पार्टियां भी नीट को हटाना चाहती हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। तमिलनाडु में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा ने हाल ही में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रा ने साल 2021 में 12वीं की परीक्षा पास की थी। वह पिछले तीन सालों से नीट-यूजी की परीक्षा दे रही थी, लेकिन सफल नहीं हो सकी। इस साल 4 मई को होने वाली नीट की परीक्षा को लेकर वह तनाव में थी। इस घटना के बाद तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के महासचिव के पलानीस्वामी ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को घेरा है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- डीएमके ने यह कहकर कि अगर वह सत्ता में आई तो तमिलनाडु में नीट नहीं होगा, झूठ बोला है और छात्रों को धोखा दिया है। क्या नीट की वजह से लगातार होती मौतें डीएमके के लिए चिंता का विषय नहीं है? एक रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में 20 नीट प्रतियोगी खुदकुशी कर चुके हैं।

यह राज्य में एक बड़ा मुद्दा है। राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके नीट का विरोध करती हैं। दोनों पार्टियां राज्य विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कर हैं। एमबीबीएस और बीडीएस जैसे अंडर-ग्रैजुएट मेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए होने वाली नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा में कक्षा 12वीं पास करने के बाद बैठा जा सकता है। इसके जरिए युवा विद्यार्थियों को देश के सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों में दाखिला मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दशक में मेडिकल सीटों के लिए होने वाली परीक्षा के प्रारूप में काफी बदलाव हुए। साल 2013 से पहले मेडिकल सीटों पर दाखिले के लिए कई परीक्षाएं होती थीं। कई राज्य और मेडिकल कॉलेज अपनी अलग परीक्षाएं करवाते थे। वहीं, केंद्रीय स्तर पर ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट लिया जाता था। साल 2013 में पहली बार नीट परीक्षा करवाई गई। इसके बाद के कुछ सालों में कई बदलाव और विवाद हुए जिसके बाद 2017 से हर साल नीट की परीक्षा करवाई जाने लगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 में एक दलित लड़की अनीता ने राज्य की बोर्ड परीक्षाओं में 1200 में से 1176 अंक हासिल किए लेकिन वह नीट में सफल नहीं हो सकीं। उनका कहना था कि वह नीट को समझ नहीं पाई क्योंकि यह सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है और गरीब परिवार से आने के चलते वह कोचिंग नहीं ले सकतीं। अनीता सुप्रीम कोर्ट में नीट को चुनौती देने वाले एक मामले में याचिकाकर्ता भी थीं। जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि नीट के अलावा किसी और तरीके से मेडिकल सीट पर दाखिला नहीं दिया जाएगा, तो इस फैसले के नौ दिन बाद अनीता ने आत्महत्या कर ली थी।

आलोचकों का कहना है कि नीट के सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होने की वजह से इसमें तमिल बोर्ड के विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ता है। वे यह भी कहते हैं कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में विद्यार्थी तमिल भाषा में ही पढ़ाई करते हैं और वे नीट परीक्षा में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन नहीं करते हैं। इसके अलावा, यह तर्क भी दिया जाता है कि नीट की वजह से राज्य की शिक्षा प्रणाली पर नकारात्मक असर हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा- राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं... अखिलेश का तंज

-बोले - योगी को राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है कि राजनीति उनके लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व ने मुझे यूपी की जनता के लिए काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं असल में एक योगी हूं, राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। योगी की इस बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा- दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र' होती है, जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है। योगी इससे पहले भी कह चुके हैं कि वह पहले गोरक्षपीठ के महंत हैं और उसके बाद उन्हें सीएम की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने अपनी सरकार के 8 साल पूरे होने के मौके पर यह बात कही थी।

वक्फ बिल को लेकर योगी ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। कोई एक काम भी वक्फ बोर्ड गिना सकता है क्या कि उसने समाज के कल्याण के लिए कोई काम किया है। ये सब व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हैं। सरकारी संपत्ति पर काबिज होने के ये जरिया बने हुए हैं। हर सुधार का विरोध होता है, लेकिन देश, काल और परिस्थिति के मुताबिक हमें बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम समुदाय को होगा और कानून-व्यवस्था का जो संकट खड़ा है, उससे भी मुक्ति मिलेगी।

हिंदू मठ और मंदिर तो गोशाला, कैंटीन, अस्तपाल चलाते हैं, वक्फ क्या कर रहा आप हिंदू मठ-मंदिरों को देखते हैं तो वे अपने सीमित संसाधनों से ही वेलफेयर के काम करते हैं। सरकारों से कोई सहयोग नहीं मिलता। फिर भी वे गोशाला, स्कूल, कैंटीन, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे तमाम संस्थान चलाते हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप देते हैं। किसी वक्फ बोर्ड ने आज तक कोई ऐसा काम किया है क्या।

ये लोग जिस संपत्ति को भी कह देते हैं कि वह वक्फ की है, उसे उनका मान लिया जाता है। यह कहां का क्या न्याय है। किसी भी संपत्ति पर कब्जे की प्रवृत्ति बंद होनी चाहिए और वक्फ का ऑडिट होना चाहिए। पता चलना चाहिए कि उससे समाज के लिए क्या काम हुआ है। समाज की बात छोड़िए। यही बता दें कि आखिर मुसलमानों के लिए ही उन्होंने क्या किया है।

4 अप्रैल से मौसम में आएगा बदलाव, तेज हवाओं व बारिश की चेतावनी जारी

-गुजरात के कच्छ और भावनगर में लू का येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में इस समय मौसम बड़ा असीब हो रता है। राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो परेशानियों का कारण बन रहा है, जबकि कुछ इलाकों में बेमौसम बारिश की संभावना ने मौसम को और भी जटिल बना दिया है। दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली है, और यहां बेमौसम बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।

साथ ही, कच्छ और भावनगर जैसे क्षेत्रों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। यह मौसम का दोहरा रूप राज्य के नागरिकों को तैयार रहने के लिए कहता है, क्योंकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार 2 अप्रैल के लिए कच्छ और भावनगर में लू के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, साबरकांठा, महिसागर, दाहोद, वडोदरा, सूरत, तापी, और कई अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जो मौसम को और चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक 4 अप्रैल तक राज्य में तापमान सामान्य होने की संभावना है, लेकिन तब तक लोगों को अत्यधिक गर्मी और 17 जिलों में बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ सकता है। गुजरात के मौसम के इस बदलाव के बीच, यह जरूरी है कि लोग अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहें। वहीं, राजस्थान में 4 अप्रैल को मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। राज्य के 15 जिलों में बारिश और आंधी की संभावना है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। यह बदलाव राजस्थान में बढ़ती गर्मी से राहत दिला सकता है, लेकिन इसके साथ ही मौसम में अस्थिरता भी आ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल को फिर से मौसम में बदलाव होगा और तापमान में वृद्धि हो सकती है।

राजस्थान में 1 से 3 अप्रैल के बीच राज्य के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, जबकि उत्तर राजस्थान में हल्की से तेज हवाएं 20-30 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। 2 अप्रैल को बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और कोटा में बारिश की संभावना है, जबकि 3

अप्रैल को अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में बारिश के साथ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम में अचानक बदलाव आ सकता है।

बवाल के पीछे उजागर हुई नेपाल के पूर्व राजा की साजिश, अब भरना पड़ेगा जुर्माना

काठमांडु

बीते कई दिनों से नेपाल में लगातार हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ के साथ विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। इसके पीछे दावा किया जा रहा है कि पूर्व राजा ने साजिश के तहत यह उपद्रव करवाया है।

नेपाल सरकार ने प्रदर्शन को भड़काने के शक में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल के एक समाचार पत्र के मुताबिक अधिकारियों का दावा है कि इन प्रदर्शनों के पीछे ज्ञानेंद्र का ही हाथ है। उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। काठमांडू के नागरिक निकाय ने शनिवार को ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाने की मांग करते हुए एक पत्र जारी किया। इस चिट्ठी में उन्हें नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया है।

बता दें कि नेपाल में फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए हैं। उससे पहले ज्ञानेंद्र शाह ने एक बयान जारी कर कहा था कि अब देश की रक्षा करने का समय आ गया है और अब देश के एकता लाने की जिम्मेदारी हमें लेनी चाहिए। राजशाही समर्थक काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित कर रहे हैं जिसमें 2008 में खत्म किए गए 240 साल पुराने राजतंत्र को बहाल करने की मांग की गई है।

शनिवार को राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने देश की राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों को निशाना बनाते हुए हमले किए जिसमें कम से कम 2 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं राजधानी काठमांडू में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सेना को भी उतार दिया है। हालांकि यह आंदोलन उग्र होता जा रहा है और राजशाही का समर्थन करने वाले संगठनों ने सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दे दिया है। ये लोग नेपाल में राजशाही के लौटने और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहे हैं कि देश में अचानक इस तरह की मांग क्यों उठ रही है नेपाल की सरकार को शक है कि यह सब देश के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह करवा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

काले बच्चे ही गोद लेता था कपल, राज खुलने पर हैरान हुए लोग

वेस्ट वर्जीनिया। बच्चे भगवान का दिया नायाब तोहफा होते हैं। कई कपल जब खुद मां-बाप नहीं बन पाते, तब वे बच्चे गोद लेते हैं। इन कपल की लोग काफी तारीफ करते हैं, क्योंकि इस कदम से अनाथ बच्चों को भी घर मिल जाता है। वेस्ट वर्जीनिया में रहने वाला एक कपल अपने जान-पहचान वालों के बीच काफी मशहूर था। इस कपल ने पांच बेसहारा बच्चों को गोद लिया था। हालांकि, ये गोरा कपल हमेशा काले बच्चे ही गोद लेता था। लेकिन राज खुलने पर सब हैरान हो गए। 63 साल की व्हाइटफेदर और उसके पति 64 साल के डोनाल्ड लैट्ज को सर्किट कोर्ट की जज ने कुल 375 साल जेल की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि शायद ईश्वर तुम्हारे ऊपर रहम करे, क्योंकि कोर्ट ऐसा नहीं कर सकता। इस कपल पर पांच बच्चों को गोद लेने के बाद उनका शोषण करने का आरोप लगाया गया था। कपल सिर्फ काले बच्चे गोद लेकर बाद उन्हें गुलाम बनाकर घर के सारे काम करवाता था। कपल ने इन पांच बच्चों को अनाथालय से गोद लिया था। दोनों पहले मिन्नेसोटा में रहते थे। उसके बाद बच्चों के साथ वाशिंगटन और फिर वेस्ट वर्जीनिया आए थे। 2023 में पुलिस वेलफेयर चेकिंग के लिए कपल के घर गई, तब वहां की स्थिति देख घबरा गई। बच्चों को एक पिंजरा नुमा कमरे में बंद रखा गया था। टॉयलेट के लिए वहां सिर्फ एक बाल्टी रखी गई थी। बच्चे सीमेंट की फ्लोर पर सोते थे और उन्हें कई-कई घंटे वहां बंद रखा जाता था। जांच में पता चला कि कपल को काले लोगों से चिढ़ थी। इस कारण वे काले बच्चे ही गोद लेते थे। इसके बाद उन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। लेकिन बदले में उन्हें ठीक से खाने को भी नहीं दिया जाता था।

ट्रंप की धमकियों पर भड़का ईरान कहा-अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमका रहे हैं। ईरान ने कई बार मामले को टालने की कोशिश की। इसके बाद भी अमेरिका धौंस दिखाने से बाज नहीं आ रहा है। इस ईरान ने भी साफ कह दिया कि ईरान को इतना कमजोर न समझें, अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि तेहरान को धमकाना बंद कर दीजिए। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला हुआ तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकाने भी सुरक्षित नही रहेंगे। ईरानी नेता की यह धमकी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ने अपने सैन्य संसाधन ईरान के करीब पहुंचाने की बात कही है। गलीबाफ ने इजरायल को भी घेरा है और उसे लेबनान में हवाई हमले रोकने के लिए कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने तेहरान यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कुद्स डे पर बोलते हुए अमेरिका की ओर से आ रही धमकियों पर बात की। उन्होंने कहा, अगर वे ईरान को धमकी देते हैं तो समझ लें कि वो भी बारूद के ढेर पर हैं। ईरान पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी असुरक्षित हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान की ओर से इराक, खाड़ी देशों और सीरिया में अमेरिकी सेना को निशाना बना सकता है। अमेरिका के कुवैत, कतर, बहरीन और यूएई में ठिकाने हैं।

पुतिन की हाईटेक कार में धमाका, यूक्रेन के हमले से हिल गया रूस

मॉस्को। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक जलती हुई कार दिखाई गई है। बताया जा रहा है कि ये कार रुस राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की है। रूसी सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास यह विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक

पुतिन ने इस धमाके के बाद सीवर की तलाशी से लेकर अपने गार्डों की जांच का आदेश दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि आग इंजन से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी गाड़ी चपेट में आ गई। लिमोजिन में आग लगते ही आस-पास के बार से कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि वह बस देखते रहे। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि विस्फोट के दौरान गाड़ी में कौन था। लिमोजिन पुतिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की बताई जा रही है। आग के कारणों का भी खुलासा नहीं हो सका है। गुरुवार को दक्षिण कोरिया की सेना ने बड़ा खुलासा किया। उसने बताया कि उत्तर कोरिया ने इस साल की शुरुआत में कम से कम 3000 अतिरिक्त सैनिकों को रूस भेजा है।

एड्स फंडिंग में रोक से 2030 तक 10 मिलियन संक्रमण और 3 मिलियन मौतें का खतरा

सिडनी

एक अध्ययन के मुताबिक एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग में कटौती से 2030 तक 10 मिलियन से ज्यादा संक्रमण और करीब तीन मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह बात गुरुवार को प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आई। ऑस्ट्रेलिया के एक इंस्टीट्यूट की टीम द्वारा किए अध्ययन में 2026 तक वैश्विक एचआईवी फंडिंग में अनुमानित 24 फीसदी की कमी के प्रभाव का मॉडल बनाया गया है। यह अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड समेत प्रमुख दाताओं द्वारा 8 से 70 फीसदी की सहायता कटौती की घोषणा के बाद हुआ है। ये पांच देश सामूहिक रूप से वैश्विक एचआईवी सहायता का 90 फीसदी से ज्यादा फंडिंग करते हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर अमेरिका और ब्रिटेन समेत शीर्ष पांच दाता देशों द्वारा प्रस्तावित फंडिंग कटौती को कम नहीं किया जाता है, तो अनुमान है कि 2025 और 2030 के बीच बच्चों और वयस्कों में 4.4 से 10.8 मिलियन अतिरिक्त नए एचआईवी संक्रमण और 770,000 से 2.9 मिलियन मौतें हो सकती हैं।

एचआईवी फंडिंग में विश्व में सबसे जयादा योगदान देने वाले अमेरिका ने ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद 20 जनवरी को सभी सहायता रोक दी है। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि एड्स राहत के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आपातकालीन योजना के नुकसान के साथ-साथ अन्य फंडिंग कटौती के कारण अब 2030 तक वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में एचआईवी/एड्स को खत्म करने की दिशा में प्रगति उलटने का खतरा है। एक अध्ययनकर्ता ने कहा कि अमेरिका ऐतिहासिक रूप से एचआईवी के उपचार और रोकथाम के वैश्विक प्रयासों में सबसे बड़ा योगदान देता है, लेकिन पीईपीएफएआर और यूएसएआईडी समर्थित कार्यक्रमों में मौजूदा कटौती ने पहले से ही एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी और एचआईवी की रोकथाम और परीक्षण सहित जरूरी एचआईवी सेवाओं तक पहुंच को बाधित कर दिया है।

संस्थान के सह-लेखक ने बताया कि परीक्षण और उपचार कार्यक्रमों को सीमित करने के अलावा, उप-सहारा अफ्रीका में व्यापक रोकथाम प्रयासों में कटौती देखने को मिलेगी, जैसे कि कंडोम वितरित करना और प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस एक दवा जो एचआईवी होने के जोखिम को कम करती है की पेशकश करना। स्थायी वित्तपोषण सुनिश्चित करना और एचआईवी महामारी के फिर से उभरने से बचना जरूरी है, जिसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, न केवल उप-सहारा अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में, बल्कि पूरी दुनिया में भी।

तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू

वाशिंगटन

हाल ही में डच और इटालियन खगोलविदों की टीमों ने इस आकाशगंगा का गहन अध्ययन करने के लिए एएलएमए रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग किया। यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के अनुसार, इस अध्ययन मेंजेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले, जो पहले वेब टेलीस्कोप द्वारा देखे गए थे।

खगोलविदों ने आकाशगंगा में ऑक्सीजन के संकेत खोजे हैं, जिससे शुरुआती ब्रह्मांड में तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू हो गई है। यह आकाशगंगा जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 है, जिसे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोपने पिछले साल खोजा था। यह इतनी दूर स्थित है कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में 13.4 अरब साल लगा, यानी जब ब्रह्मांड सिर्फ 300 मिलियन साल पुराना था, तब यह आकाशगंगा अस्तित्व में आ चुकी थी।

यह खोज वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली है, क्योंकि यह संकेत देती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में सितारे अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से बने और विकसित हुए। सामान्यत: ब्रह्मांड के शुरुआती दौर, जिसे कॉस्मिक डॉन कहा जाता है, में आकाशगंगाओं में मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम जैसे हल्के तत्व मौजूद होने चाहिए थे। लेकिन जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में भारी तत्वों की मात्रा उम्मीद से 10 गुना अधिक पाई गई। लीडेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री सैंडर शॉव्स ने इस खोज को एक ऐसे किशोर को खोजने जैसा बताया, जहां केवल नवजात शिशु होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह आकाशगंगा अत्यधिक तेजी से विकसित हो रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आकाशगंगाओं का निर्माण जितना हम सोचते थे, उससे कहीं तेज हुआ।

इटली के खगोल वैज्ञानिक स्टेफानो कार्नियानी ने इसे अविश्वसनीय खोज बताया और कहा कि यह सवाल उठाता है कि आकाशगंगाओं का जन्म आखिर कब और कैसे हुआ। 2022 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के सक्रिय होने के बाद से वैज्ञानिकों ने पाया है कि शुरुआती ब्रह्मांड की आकाशगंगाएं पहले के अनुमानों से कहीं अधिक चमकदार और विकसित थीं। यह खोजें इतनी चौंकाने वाली रही हैं कि वैज्ञानिकों को अब ब्रह्मांड की मौजूदा समझ पर सवाल उठाने पड़े हैं।

रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा

यूक्रेन के खारकीव में रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा नजर आया।

भूकंप की दहशत कायम, म्यांमार में लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

नेपीडो

म्यांमार में आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों मकान चकनाचूर हो गए। कहीं फिर से भूकंप न आ जाए इसको लेकर लोगों के मन डर है।

दहशत में जी रहे लाखों लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी। म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। वहीं भूकंप आने के बाद राहत और बचाव का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों को हुए नुकसान की वजह से राहत सामग्री का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। वहीं भूकंप के झटकों (आफ्टरशॉक) के डर से हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर ही सोए। यूएन ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों को हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की भी नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। कई सड़कों और पुलों को भी नुकसान हुआ है जिसकी वजह से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। घायल लोगों तक दवाइयां पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। हाइवे पर दरारें पड़ने की वजह से बसों को भी रोक दिया गया है।

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई म्यांमार पहुंचाई है और आपातकालीन मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत बचाव दलों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से और आपूर्ति भेजी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और कहा कि भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने म्यांमा के लिए अपने बचाव अभियान को ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया है।

पिरामिडों के नीचे फैली जटिल भूमिगत संरचना का पता चला

काहिरा

यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिकों ने एडवांस राडार तकनीक से मिस्र में गीज़ा के पिरामिडों को स्कैन किया, जिससे उनके नीचे फैली एक जटिल भूमिगत संरचना का पता चला है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिक कोराडो मलंगा और यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड के फिलिपो बायोन्डी ने खफ़रे पिरामिड की जांच के लिए सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) टोमोग्राफी का उपयोग किया।

खफ़रे पिरामिड, गीज़ा की दूसरी सबसे बड़ी संरचना है, और स्कैन में इसके आधार के पास पांच समान भूमिगत संरचनाएं मिलीं। इन संरचनाओं में कई स्तर थे और ये जटिल ज्यामितीय मार्गों से आपस में जुड़ी हुई थीं। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने आठ ऊर्ध्वाधर बेलनाकार कुएं खोजे, जो 648 मीटर तक फैले हुए सर्पिल रास्तों से घिरे थे। इनका अंत दो विशाल घनाकार संरचनाओं में हुआ, जिनकी प्रत्येक भुजा लगभग 80 मीटर की थी। इस खोज के बाद, वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह अध्ययन पिरामिडों के पारंपरिक शाही कब्र होने की धारणा को चुनौती देता है। इस भूमिगत नेटवर्क के उद्देश्य को लेकर कई सिद्धांत सामने आए हैं।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका संबंध यांत्रिक या ऊर्जा संचयन से हो सकता है। यह खोज निकोला टेस्ला और क्रिस्टोफर डन के सिद्धांतों से मेल खाती है। टेस्ला, जो बिजली और वायरलेस ऊर्जा पर काम करने वाले प्रसिद्ध आविष्कारक थे, मानते थे कि पिरामिड पृथ्वी की प्राकृतिक ऊर्जा को एकत्र कर सकते हैं। वहीं, क्रिस्टोफर डन ने अपनी पुस्तक द गीज़ा पावर प्लांट में दावा किया था कि ग्रेट पिरामिड एक विशाल मशीन हो सकता है, जो कंपन को ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

इजराइल के बंधकों को छोड़ेगा हमास, नए समझौते पर बनी सहमति

गाजा पट्टी। हमास ने शनिवार को घोषणा की कि उसने मिस्र और कतर द्वारा प्रस्तावित गाजा युद्धविराम समझौते को स्वीकार कर लिया है। हमास नेता खलील अल-हया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कि हमने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से लिया है और उम्मीद करते हैं कि इजरायल भी इसे स्वीकार करेगा। इसके तहत अब हमास हर हफ्ते इजराइल के 05 बंधक रिहा करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत हर हफ्ते 05 इजराइली बंधकों को हमास द्वारा रिहा किया जाएगा। इससे पहले, संघर्षविराम का पहला चरण 19 जनवरी को लागू हुआ था, जिसमें युद्धविराम, कुछ इजराइली बंधकों की रिहाई और कुछ फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल थी। दूसरे चरण पर मतभेद संघर्षविराम के दूसरे चरण का उद्देश्य शेष बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी पर समझौता करना था। हमास का कहना था कि किसी भी प्रस्ताव में इस चरण की अनुमति दी जानी चाहिए, जबकि इजराइल ने पहले 42-दिवसीय चरण का विस्तार करने की पेशकश की थी। इजराइल और अमेरिका का मानना है कि युद्ध के बाद हमास को गाजा के प्रशासन में कोई भूमिका नहीं दी जानी चाहिए। हवाई हमले और हिंसा जारी इस बीच, शनिवार को इजराइली हवाई हमले गाजा में जारी रहे, जिसमें स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायल ने 18 मार्च से हमास पर अपने हमले तेज कर दिए हैं और साफ किया है कि जब तक सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, यह सैन्य अभियान जारी रहेगा।

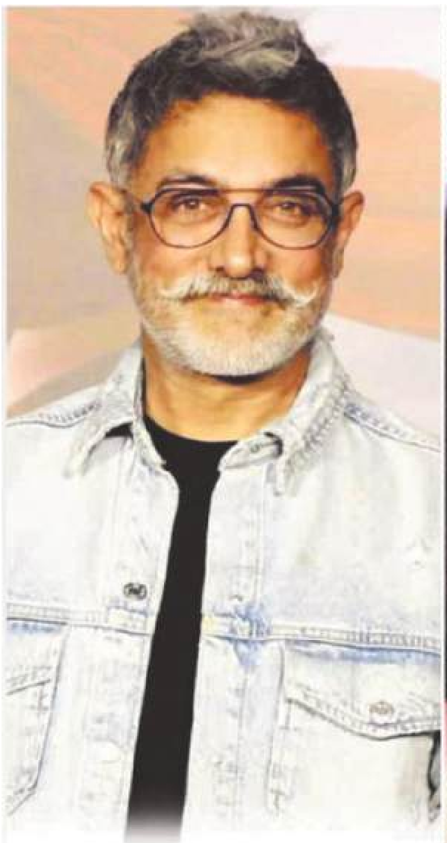

राइटर्स-डायरेक्टर्स के साथ काम करना ज्यादा पसंद

आमिर खान हमेशा से कहानी पर ध्यान देते आए हैं, न कि सिर्फ को-स्टार्स के साथ काम करने पर। उनका कहना है कि उनकी सोच हमेशा राइटर्स और डायरेक्टर्स के करीब रही है, क्योंकि वही एक फिल्म की असली जान होते हैं।

फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में आमिर ने फिल्ममेकिंग को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, बहुत सारे एक्टर्स के साथ काम करके मजा आया, लेकिन मुझे ज्यादा एक्साइटमेंट कहानी लिखने वाले और डायरेक्शन संभालने वालों के साथ काम करने में मिलती है। मेरा ध्यान हमेशा कहानी पर होता है, न कि इस बात पर कि अगला को-स्टार कौन होगा। अगर कोई एक्टर रोल के लिए फिट नहीं है, तो सिर्फ मजा लेने के लिए उसके साथ काम नही करूंगा। आमिर का मानना है कि एक फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, बल्कि उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है। उन्होंने कहा, अगर मैं गलत हूं तो मुझे भी एक कदम पीछे हटना चाहिए। मेरा मकसद सिर्फ एक अच्छी फिल्म बनाना है, जो अपने आप में एक नया नजरिया लाए।

नए टैलेंट को मौका देने का इरादा

आमिर सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि एक प्रोड्यूसर भी हैं, जो नए टैलेंट को प्लेटफॉर्म देना चाहते हैं। उनका कहना है, मेरा मकसद नए लोगों को मौका देना है। मैं ऐसे सब्जेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं जो हटकर हों, जो सिर्फ एक्शन या मसाला फिल्में न हों। हर कोई एक्शन फिल्म बना सकता है, लेकिन एक अलग कहानी लाना सबके बस की बात नहीं। इसीलिए मैं और ज्यादा फिल्मों का निर्माण करना चाहता हूं, ताकि नए कलाकारों और राइटर्स को एक अच्छा प्लेटफॉर्म मिल सके।

गौरी से रिश्ते की चर्चा

आमिर खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। अपने 60वें जन्मदिन पर, उन्होंने मीडिया के सामने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी को इंट्रोड्यूस किया। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली है और पेशे से एक लेखक हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, और तब से वे एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। आमिर के इस नए रिश्ते ने फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा बटोरी है।

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है। एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा। मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया। पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया। जेनेलिया की यात्रा द्रढ़ता, अपनी देखभाल और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद अपने जुनून के प्रति सच्चे रहने का प्रमाण है।

किस किसको प्यार करूं 2 से दूल्हा बन हंसाने को तैयार कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा 'किस किस को प्यार करूं' के बाद अब किस किसको प्यार करूं 2 लेकर आ रहे हैं। ईद के मौके पर अभिनेता ने अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया, जिसमें कॉमेडी किंग' दूल्हे के लिबास में नजर आए। इंस्टाग्राम पर 'किस किस को प्यार करूं 2' का पोस्टर शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने प्रशंसकों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कैप्शन में लिखा, ईद मुबारक दोस्तों, केकेपीके2। वहीं, शेयर किए गए पोस्टर में कपिल दूल्हा के रूप में नजर आए। वह सिर पर सेहरा लगाए दिखे और उनके चेहरे पर हैरत के भाव हैं। शर्मा के साथ पोस्टर में घूंघट काढ़े दुल्हन भी है।

कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म के साथ कपिल शर्मा कॉमेडी की दुनिया में वापस ले जाने के लिए तैयार हैं। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में तैयार 'किस किसको प्यार करूं 2' का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया है। फिल्म की पहली किस्त 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी। अब्बास मस्तान के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अरबाज खान, मंजरी फडनवीस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम, वरुण शर्मा, सुप्रिया पाठक, शरत सक्सेना और मनोज जोशी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे परिस्थितिवश तीन लड़कियों से शादी करनी पड़ती है। तीनों एक ही इमारत में रहती हैं। हालांकि, उन्हें पता नहीं होता कि उनके पति एक ही हैं। फिल्म में नया मोड़ तब आता है, जब उसकी तीनों पत्नियां उसकी चौथी शादी में शामिल होती हैं और भांडा फूट जाता है। कॉमेडी किंग के नाम से मशहूर कपिल शर्मा कॉमेडी के साथ ही अभिनय जगत में भी अच्छा खासा नाम कमा चुके हैं। साल 2015 में शुरुआत के बाद वे 'फिरंगी' और 'ज्विगाटो' में भी नजर आए थे। कपिल बेहतरीन गायक भी हैं।

उगादी पर चिरंजीवी ने शुरू की मेगा 157 की शूटिंग

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका संभावित नाम मेगा 157 है। अभिनेता ने इस फिल्म के लिए निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर काम किया है। चिरंजीवी ने उगादी के अवसर पर फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो नई शुरुआत का प्रतीक है। फिल्म को अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती ने लॉन्च किया, जिन्होंने पहले फिल्म के क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया और फिर मेगास्टार के साथ गले मिले। चिरंजीवी ने मेगा 157 के पूजा समारोह से कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उगादी के इस खुशी के अवसर पर मैं अद्भुत निर्देशक अनिल रविपुडी, निर्माता साहू गरपति, सुष्मिता कोनिडेला और मेगा 157 की पूरी टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू करने में खुश हूं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मेरे प्रिय वेंकटेश दग्गुबाती और इंडस्ट्री के मेरे सभी दोस्तों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

हालांकि बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अदिति राव हैदरी या परिणीति चोपड़ा के फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने की संभावना है। इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, मेगा 157 में कॉमेडी, इमोशनल और हाई-ऑक्टेन एक्शन का तड़का लगेगा।

फिल्म में चिरंजीवी का किरदार

अनिल रविपुडी द्वारा लिखित इस फिल्म में चिरंजीवी शंकर वरप्रसाद की भूमिका में हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर के रूप में समीर रेड्डी, संगीत को संभालने वाले भीम्स सेसिरोलेओ और संपादक के रूप में तम्मीराजू शामिल हैं। वहीं, चिरंजीवी की अगली फिल्म विश्वंभरा है। पहले यह फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बढ़ाकर मई 2025 कर दी गई है।

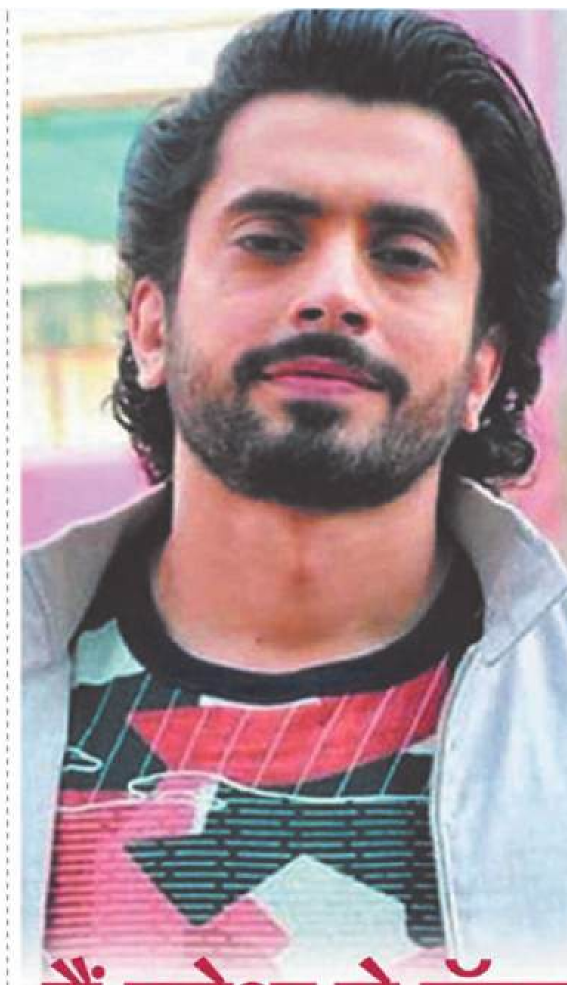

मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। ह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया।

महिलाओं को अपने अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं

जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शिकारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया रक्षा बंधन में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट में उज्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही है। उनसे एक खास बातचीत।

फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं।

एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है?

मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है।

आपके करियर की शुरुआत जाने-माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा से हुई, आपने उनसे क्या सीखा?

मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी।

आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाई?

सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शिकारा की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था।

मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली-बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को-एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी है, मैं तो आज के दौर की जेनज़ी लड़की थी, जो सेट पर इधर -हर मस्ती किया करती थी।

आपने जब अक्षय कुमार के साथ रक्षा बंधन में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था?

-बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। रक्षा बंधन की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई-बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा।

सीईओ व जनप्रतिनिधियों की मेहनत रंग लाई

पिछले वर्ष की मेहनत से वर्तमान में पानी से लबालब टोंगरा तालाब

शिवपुरी, ब्यूरो

प्रदेश के मुखिया मोहन यादव जल संरक्षण को लेकर विशेष चिंतित है जल की एक एक बूँद संरक्षित हो इसके लिए उनके द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है पिछले वर्ष जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जो काम किये गए उनके सुखद परिणाम इस वर्ष देखने को मिल रहे हैं । ऐसे ही शिवपुरी जिले के टोंगरा पंचायत में बने तालाब की कहानी है इस तालाब में पिछले वर्ष मार्च में ही पूरा पानी सूख गया था टोंगरा के ग्रामवासियो ने कलेक्टर रविंद्र चौधरी के समक्ष पानी की विकराल समस्या होना एवं जलस्तर नीचे जाने की समस्या उठाई थी कलेक्टर श्री चौधरी की दूरदर्शी सोच एवं जनहित के मुद्दों पर संवेदनशीलता के कारण उनके द्वारा टोंगरा तालाब की गाद निकालने ,साफ़ सफाई करने के निर्देश जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनपद सीईओ को दिए । तत्कालीन सीईओ जिला पंचायत श्री मरावी के द्वारा जनप्रतिनिधियों और टोंगरा वासियों के समक्ष टोंगरा तालाब में जनसहयोग करने की चर्चा की तो सभी एकमत होकर टोंगरा तालाब की सफाई और गाद निकालने के लिए तैयार हो गए ,अगले दिन सुबह ही विधायक शिवपुरी देवेंद्र जैन जो आमजन की समस्यायों को लेकर सदैव तत्परता दिखाकर उनका समाधान के लिए प्रयासरत रहते है टोंगरा में श्रमदान के लिए पहुंचे इसके अतिरिक्त समाजसेवी यशपाल रावत पड़ोरा ,जनपद अध्यक्ष हेमलता रघुवीर रावत के साथ टोंगरा के आमजन भी जनसहयोग के लिए आगे आये इधर सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी श्री उमराव सिंह मरावी के नेतृत्व में जनपद शिवपुरी और ग्राम पंचायत की टीम टोंगरा तालाब में खड़े अनावश्यक झाड़ झाड़ियों को साफ़ करने में लग गयी ।

इनका कहना है

जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत टोंगरा में सराहनीय काम हुआ है ,इसके परिणाम इस वर्ष देखने को मिले है ,जनभागीदारी और जनपद की मेहनत का परिणाम है

रवींद्र कुमार चौधरी , कलेक्टर शिवपुरी।

हमारे गाँव में तालाब में पानी भरे होने से वर्षो से सूखे पड़े कुए ,बोर में भी पर्याप्त पानी है आज पानी की कोई समस्या नहीं है ।

विद्या रावत सरपंच टोंगरा

अब धड़ाधड़ हो रहे गांव में शादी ब्याह

जनप्रतिनिधि ,प्रशासन और आमजन तीनो का समन्वय पहली बार देखने को मिला जिसका सुखद परिणाम ये रहा कि जो तालाब दिसम्बर अंत तक सूख जाता था वो इस वर्ष अप्रैल माह में लबालब भरा हुआ है और ग्रामीणों के अनुसार इस वर्ष ये जुलाई अगस्त तक भी सूखने वाला नहीं है। सबसे खास बात है इस तालाब में लबालब पानी भरे होने से इस गाँव के जलस्तर में सुधार हुआ है वर्षो से सूखे पड़े कुए अब पानी से भरे हुए है लगभग 50 हेक्टेयर कृषि भूमि इस वर्ष सिंचित हुई है टोंगरा के ग्रामीणों का कहना है कि जलगंगा संवर्धन अभियान ने हमारे गाँव की दशा और दिशा दोनों सुधार दी ,पहले हमारे गाँव में पानी की कमी के कारण लड़को के ब्याह में परेशानी आ रही थी लेकिन अब हमारे गाँव में पानी की कोई समस्या नहीं है जिस कारण अब हमारे गाँव के बच्चो की शादी भी खूब धूमधाम से हो रही हैं ग्रामीण बलवंत रावत ने भी इस तालाब से गाद निकालने ,झाड़ियों की सफाई में सहयोग किया ।

माधोपुर, पोहरी में नए टॉवर का नगर परिषद अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

वी ने क्षेत्र में किया नेटवर्क का विस्तार : रश्मि नेपाल वर्मा

एरिया मैनेजर अवधेश उपाध्याय , डीलर अगोनी लाल एवं योगेंद्र जैन मौजूद रहे

पोहरी, ब्यूरो

टेलीकॉम क्षेत्र में वी (वोडाफोन आइडिया) लगातार अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर गाँव डिजिटल हो÷ के सपने को साकार करने में नेटवर्क का अहम योगदान है। इसी क्रम में वोडाफोन आइडिया ने पोहरी क्षेत्र में नेटवर्क विस्तार कर नई साइट स्थापित की है। माधोपुर-नयागाँव में वी के नए टॉवर का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रश्मि नेपाल धाकड़ एवं पार्षद वार्ड 4 श्री मति कविता भूपेंद्र आदिवासी ने किया। उन्होंने कहा कि नेटवर्क विस्तार से लोग नई डिजिटल क्रांति से जुड़ेंगे। जब गाँव में बेहतर नेटवर्क होगा तो डेटा स्पीड अच्छी होगी, जिससे उपभोक्ताओं को सुविधाजनक और सुलभ सेवा मिलेगी। इसके लिए उन्होंने वोडाफोन ,आइडिया कंपनी का आभार व्यक्त किया।नेटवर्क विस्तार से ग्रामीण उपभोक्ताओं को लाभ भी मिलेगा। इस दौरान एरिया मैनेजर अवधेश उपाध्याय ने कहा कि वोडाफोन आइडिया तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों में अपना नेटवर्क विस्तार कर रही है। इससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम संचार का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद श्री मति कविता भूपेंद्र आदिवासी,योगेंद्र जैन , अगोनी लाल धाकड़ (डीलर), सोनू धाकड़, आकाश सेन, गौरव शर्मा, जीतू श्रीवास्तव, प्रदीप, अमर बाथम सहित वोडाफोन आइडिया के कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब हर माह सम्मानित होंगे कर्मचारी

शिवपुरी जनपद के कर्मचारियों का हुआ सम्मान

शिवपुरी, ब्यूरो

जनपद शिवपुरी में हर माह बेस्ट पंचायत ,बेस्ट सचिव ,बेस्ट जीआरएस ,बेस्ट पीसीओ ,बेस्ट इंजीनियर का अवार्ड उत्साहवर्धन के लिए दिया जाता है ,ये अवार्ड नरेगा लेबर बजट ,नरेगा कार्यो की पूर्णता ,आवास पूर्णता ,सम्बल ,पेंशन आदि योजनाओ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर समिति के द्वारा अनुशंसा के आधार पर दिया जाता है जिस से पंचायत स्तरीय अमले को हतोत्साहित होने से बचाया जा सके ! माह मार्च में सर्वश्रेष्ठ प्रगति लाने पर बांसखेड़ी पंचायत को बेस्ट पंचायत ,विकास रावत सचिव दादौल को बेस्ट सचिव ,जीतेन्द्र रावत जीआरएस बांसखेड़ी को बेस्ट जीआरएस ,पीसीओ मुकेश पराशर को बेस्ट पीसीओ ,इंजीनियर नीरज खरे को बेस्ट इंजीनियर के अवार्ड से नवाजा गया । जैसा कि आपको पता है कि अच्छा प्रदर्शन करने पर सारा श्रेय वरिष्ठ अधिकारी ले जाते है ,और ख़राब प्रगति पर कार्यवाही निचले स्तर पर की जाती है जिस से निचले कर्मचारी हतोत्साहित होते है इसी से बचने के लिए अच्छे कार्य करने के लिए शिवपुरी जनपद में अब हर माह सचिव ,जीआरएस पीसीओ ,इंजीनियर को सम्मानित किया जाता है।

भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने की कथा वाचक की प्रशंसा

करैरा के सिलरा गांव में श्रीमद् भागवत कथा के समापन के दौरान हुआ भव्य भंडारा

करैरा, ब्यूरो

करैरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिलरा में आज श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिलरा गांव सहित करैरा विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह सात दिवसीय कथा प्रख्यात कथा वाचक श्री ब्रह्मदेव शास्त्री महाराज के मुखारविंद से संचालित हो रही है, जिसमें मुख्य यजमान सिलरा गांव के पूर्व सरपंच विवेक चतुर्वेदी हैं। भंडारे के इस आयोजन में भक्ति, उत्साह और सामाजिक समरसता का अनुपम संगम देखने को मिला।कथा के दौरान श्री ब्रह्मदेव शास्त्री महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म की लीला का भावपूर्ण और प्रभावशाली वर्णन किया। उन्होंने कहा, ÷श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक घटना नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उनकी लीलाएं हमें जीवन में प्रेम, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।÷ कथा के समापन के बाद भजन-कीर्तन की मधुर धुनों के बीच माखन-मिश्री सहित विभिन्न व्यंजनों का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव भी उपस्थित रहे और उन्होंने कथा वाचक श्री ब्रह्मदेव शास्त्री महाराज की जमकर प्रशंसा की। जसवंत जाटव ने कहा, ÷श्री ब्रह्मदेव शास्त्री महाराज एक ऐसे संत और कथा वाचक हैं, जिनके शब्दों में भक्ति और ज्ञान का अद्भुत समन्वय है। उनकी कथा सुनकर न केवल श्रद्धालुओं का मन शांत होता है, बल्कि समाज में सकारात्मकता और एकता का संदेश भी प्रसारित होता है। उनके प्रवचनों में जो सरलता और गहराई है, वह हर आयु वर्ग के लोगों को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जोड़ने में सक्षम है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि ऐसे विद्वान संत हमारे बीच हैं और हमें उनके श्रीमुख से कथा सुनने का अवसर मिल रहा है। मुख्य यजमान विवेक चतुर्वेदी ने भी इस आयोजन की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, ÷शास्त्री महाराज के नेतृत्व में यह कथा हमारे गांव के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर बन गई है। भंडारे में हजारों लोगों का एकत्र होना और भक्ति में डूबा माहौल इस बात का प्रमाण है कि यह आयोजन हर दिल को छू गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, जिसमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी शामिल थे।कथा के अंतिम दिन भी विशेष आयोजन की तैयारी है, जिसमें और भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। जसवंत जाटव ने अंत में सभी से अपील की कि वे इस कथा के समापन में हिस्सा लें और भगवान श्रीकृष्ण के साथ साथ यहाँ के स्थानीय खेरे वाले हनुमानजी का भी आशीर्वाद को प्राप्त करें।

डेढ़ से दोगुना महँगे दामों में बिक रहे है स्टांप

करैरा में आम जनता को मिल रहे हैं महंगे दामों में स्टांप

करैरा, ब्यूरो

करैरा तहसील में स्टांप वेंडर्स सरकारी नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से स्टांप बेच रहे हैं। निर्धारित कीमतों से कई गुना अधिक दाम वसूलने की इस प्रथा ने आम जनता को परेशानी में डाल दिया है। किराए के अनुबंध, संपत्ति रजिस्ट्री और अन्य कानूनी दस्तावेजों के लिए जरूरी स्टांप अब लोगों के लिए महंगे पड़ रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार, जो अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में पहले ही जूझ रहे हैं, इस मनमानी से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। प्रशासन की चुप्पी और निष्क्रियता ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है, जिससे लोगों का सरकारी तंत्र पर भरोसा डगमगाने लगा है। इसके साथ ही, करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक भी पूर्व में कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी को पत्र लिखकर 1 अप्रैल से लागू होने वाली स्टांप ड्यूटी में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी को लेकर गंभीर चिंता जता चुके है लेकिन फिलहाल आम जनता को कोई भी राहत मिलती नहीं दिखाई दे रही है ।

स्टांप वेंडर्स की मनमानी से बढ़ी कीमतें

करैरा में स्टांप की कीमतें बेतहाशा बढ़ाई जा रही हैं। 100 रुपये का स्टांप 150 रुपये में, 200 रुपये का स्टांप 300 रुपये में और 500 रुपये का स्टांप 600 रुपये तक में बेचा जा रहा है। छोटे मूल्य के स्टांप, जैसे 10 रुपये या 20 रुपये वाले, भी दोगुने-तिगुने दामों पर बिक रहे हैं। वेंडर्स ने हर स्तर पर अपनी मर्जी से कीमतें तय कर रखी हैं, जिससे लोग मजबूरी में इन्हें खरीदने को विवश हैं। कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए कोई दूसरा रास्ता न होने के कारण जनता इस लूट का शिकार बन रही है। स्थानीय ग्रामीण अंचल के निवासी राहुल शर्मा ने बताया, ÷हमें रजिस्ट्री या किराए का अनुबंध बनाना हो तो स्टांप खरीदना जरूरी है। वेंडर्स जो कीमत मांगते हैं, हमें देनी पड़ती है, क्योंकि हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है।÷ कई लोग इस स्थिति से परेशान हैं, लेकिन उनकी शिकायतें प्रशासन तक पहुंचने के बाद भी अनसुनी रह जाती हैं। लोगों का मानना है कि अगर प्रशासन ने समय रहते कदम उठाया होता, तो यह हालात न बनते।

प्रशासन की उदासीनता एवं शिकायतों का अनसुना करना भी है एक बड़ा कारण

प्रशासन की उदासीनता इस समस्या का सबसे बड़ा कारण मानी जा रही है। लोगों का कहना है कि कई बार तहसील कार्यालय में शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। करैरा निवासी हीरोज खान ने बताया, जब एसडीएम अजय शर्मा करैरा आये थे उस समय ÷मैंने स्वयं एसडीएम अजय शर्मा से शिकायत की थी। उन्होंने आश्वासन दिया और कहा कि वे जांच करेंगे, लेकिन महीनों बीत गए और कुछ नहीं बदला।÷ प्रशासन की ढिलाई से वेंडर्स के हौसले बुलंद हैं और वे बिना डर के मनमानी कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि अगर सख्ती बरती जाती, तो यह स्थिति नियंत्रण में होती।

अधिवक्ता भी है परेशान, महँगे स्टांप होने के कारण आम जन स्टांप से हो रहे वंचित

अधिवक्ता भी इस मुद्दे से परेशान है। स्थानीय एडवोकेट महेंद्र बघेल ने कहा, ÷कानूनी मामलों में स्टांप जरूरी हैं और महंगे स्टांप की वजह से हमारे क्लाइंट्स को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।÷ एक अन्य वकील ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, ÷क्लाइंट्स पहले ही मुकदमों के खर्च से परेशान हैं। अब स्टांप की कीमतें बढ़ने से वे और दबाव में हैं। कई लोग कागजात बनवाने से बच रहे हैं, जिससे उनका केस कमजोर हो रहा है।÷ वकीलों ने प्रशासन से मांग की है कि वेंडर्स की मनमानी पर रोक लगे और सरकारी दरों का पालन सुनिश्चित हो।

करैरा प्रशासन को महँगे दामो में स्टाम्प बेचने वाले वेंडर्स के ख़िलाफ़ जनहित में उठाए जाने चाहिए कदम

एडवोकेट राजीव भार्गव ग्रुप ने प्रशासन से माँग की है कि इस समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। वेंडर्स लोग ब्लैकमेलिंग करते है । हर तहसील में एक मूल्य नियंत्रण बोर्ड बनाया जाए जो स्टांप की बिक्री पर नजर रखे और सरकारी दरों का सख्ती से पालन कराए। जनता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन और ऑनलाइन शिकायत पोर्टल शुरू किया जाए ताकि लोग आसानी से अपनी परेशानी बता सकें और 48 घंटे में कार्रवाई हो। ग्राम पंचायतों, तहसील कार्यालयों और बाजारों में स्टांप की सरकारी कीमतों की सूची लगाई जाए और लोगों को शिकायत के तरीके बताए जाएं। वेंडर्स की दुकानों पर नियमित और आकस्मिक निरीक्षण हों, नियम तोड़ने वालों का लाइसेंस रद्द हो और उन पर जुर्माना व कानूनी कार्रवाई हो।

इनका कहना है

हम रजिस्ट्रार से बात करते है दिखवाते है जो गलत होगा कार्यवाही करेंगे

कल्पना शर्मा तहसीलदार करैरा

डामरोंन खुर्द मैं नर्सरी की कटाई , ग्रामीण बोले माफिया को प्रशासन का संरक्षण

शिवपुरी। जिले के करैरा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डमरोंखुर्द में स्थित डूढा महुआ बस स्टैंड पर विशाल भूमि पर फैली नर्सरी मैं खड़े पेड़ों की इन दोनों रात के समय अवैध रूप से अंधाधुंध कटाई चल रही है एवं सोचने वाली बात है कि पेड़ों की कटाई की जानकारी पंचायत के जिम्मेदारों को होते हुए भी अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है इससे यह सिद्ध होता है कि या तो पेड़ों की कटाई ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों के संरक्षण में हो रही है या फिर उनकी उदासीनता के चलते हो रही है अगर इस तरह से पेड़ों की कटाई जारी रही तो कुछ ही दिनों में नर्सरी पर सिर्फ खाली जमीन ही दिखाई देगी पेड़ों का नाम निशान मिट जाएगा ।ग्रामीणों का कहना है कि नर्सरी की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कई कदम उठाए जा सकते हैं। लेकिन प्रशासन की उदासीनता पूरे मामले की पोल स्वयं ही खोलती दिख रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस, कालका 51, सत्यदेव नगर, गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक-अरूण श्रीवास्तव, RNI No. 69560/97, फोन. 0751-4070801, 4071801, Fax 0751-4071801